डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

साप्ताहिक समाचार

मीडिया दृष्टिकोण

वर्ष : 09 >अंक : 08 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

सभी सुधि पाठकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जयपुर
रविवार, 14 अगस्त
2022

पेज 8 भी देखे

कॅरिअर पाइंट कोचिंग के ऊपर चलता बार।

कोचिंग के पास शराब की दुकान।

स्वायत्तशासन मंत्री शांति धारीवाल जी!
यह क्या अनर्थ करने जा रहे हैं आप?

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। जहाँ एक ओर स्वायत्तशासन मंत्री शांति धारीवाल जयपुर विकास प्राधिकरण के मंत्री हैं वहीं राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की कमान भी उनके ही हाथ में हैं। दोनों विभाग श्रीमान धारीवाल साहब के अधीन होते हुए भी यह कैसे संभव है कि एक विभाग का गोपालपुरा बाईपास का कॉमर्शियल पट्टा वितरण जैसा बड़ा व ग़लत निर्णय व क़दम दूसरे विभाग के कोचिंग हब प्रतापनगर के प्रोजेक्ट को पूरी तरह से गड्ढे में धकेल रहा है और अपने क़दमों तले कुचलने जा रहा है।

स्वायत्त शासन मंत्री धारीवाल एवं जेडीसी रवि जैन ने गोपालपुरा बाईपास के व्यापारियों की आवासीय इमारतों को अब कॉमर्शियल पट्टा वितरण जैसी अवैध मांग को क्यों माना यह गम्भीर और संदेहास्पद,आश्चर्य जनक विषय बन गया है।

गोपालपुरा बाईपास पर आवासीय भवनों को कॉमर्शियल पट्टा वितरण ग़लत निर्णय है क्योंकि...

- गोपालपुरा बाईपास के रोड़ के दोनों तरफ़ खड़ी आवासीय इमारतें बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन कर अवैध रूप से बनी हुई हैं।
- बिल्डिंग बायलॉज के हिसाब से उनमें सेटबैक नहीं छोड़ा गया है।
- इन आवासीय इमारतों में कमर्शियली पार्किंग के लिए कोई स्पेस नहीं दिया गया है।
- आख़िर किस आधार और तथ्यों को मद्देनज़र रखते हुए सरकार व जयपुर विकास प्राधिकरण ने माना कि यहाँ कमर्शियल पट्टे रेवड़ी की तरह बाँटें जा सकते हैं?
- आख़िर क्यों स्पेशल डवलपमेंट प्रोजेक्ट के बहाने गोपालपुरा बाईपास रोड़ के दोनों तरफ व्यवसायिक पट्टे दिये जाने का निर्णय लिया गया है?
- अवैध निर्माणकर्ताओं पर कार्यवाही न करके सरकार व जेडीए का इन करोड़पति कारोबारियों से वाहवाही लूटने का ये समाधान आम जनता के हितों के साथ सरासर धोखा ही है
- जब हाउसिंग बोर्ड द्वारा कोचिंग संस्थानों के लिए कोचिंग हब प्रतापनगर में तैयार कर दिया गया है तो इन कोचिंग व्यापारियों का गोपालपुरा बाईपास में जमे रहने का कारण क्यों पैदा किया जा रहा है ?

अनेक यक्ष प्रश्न स्वायत्त शासन मंत्री धारीवाल की ओर मुँह करके खड़े हो गए हैं।अब देखना ये है कि धारीवाल जी की धार राजस्थान आवासन मण्डल विभाग के हित की रक्षा करते हुए जेडीए के इस असमंजस और अनर्गल निर्णय पर पुनः विचार करती है या नहीं? इसे रद्द करती है या नहीं?

दोनों विभाग के मंत्री हैं आप!

आपके एक विभाग जेडीए द्वारा गोपालपुरा बाईपास में अनर्गल बँटता कमर्शियल पट्टा! आपके ही दूसरे विभाग राजस्थान आवासन मण्डल के प्रोजेक्ट "कोचिंग हब" को दे जाएगा करारा झटका !

कृपया स्वायत्तशासन मंत्री माननीय शांति धारीवाल जी ध्यान दें!

- गोपालपुरा पुलिया से आगे रिद्धि सिद्धि सर्कल से पहले कुकुरमुत्ते से उग आए कोचिंग संस्थान लगातार बढ़ रहे हैं और उनके साथ बढ़ रहीं हैं आम जनता की मुश्किलें,मुख्य मार्ग पर बढ़ते यातायात के मुद्दे और मासूम विद्यार्थियों के गंभीर मसले।
- गोपालपुरा बायपास के दोनों ओर अनेक कोचिंग इंस्टीट्यूट्स हैं। सबसे बड़ी बात इन्हीं के पास खुली हैं अंग्रेज़ी व देसी शराब की ढेरों दुकानें जो नैतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से बेहद ही शर्मनाक है सरकार के लिए भी और उसके ज़िम्मेदार विभाग जेडीए के लिए भी।
- रोज़ाना बाधित होता यातायात आम जनजीवन को लगातार प्रभावित कर रहा है। ऐसे में इन अवैध इमारतों के मालिकों को कमर्शियल पट्टे जारी कर देना इनकी मनमानी और बढ़ा देना है।
- कोचिंग से छूटते बच्चों के जीवन को रोज़ का ख़तरा है। मुख्य मार्ग पर तेज़ी से आते साधन के बीच किस तरह और कब तक यह बच्चे सुरक्षित रह सकते हैं?
- इमारतों के मालिक और इनके किरायेदार दुकानदार और कोचिंग व्यापारी सब इस बात के साक्षी हैं कि यातायात के साथ-साथ बच्चों का जीवन भी ख़तरे के निशाने पर है लेकिन इन कोचिंग व्यवसायियों को समय पर मोटी फीस चाहिए और इमारतों के मालिकों को भारी भरकम किराया।
- होटलों, दुकानों व इंस्टिट्यूट की पार्किंग आधी सड़क घेर लेती है।और तो और इंस्टिट्यूट के इर्द-गिर्द चौपाटी की तरह खाने के ठेलों की रेलमपेल एक अलग जाम लगाए रहती है।
- बिल्डिंग बाइलॉज का उल्लंघन करते आवासीय बिल्डिंगों में धड़ल्ले से चलते यह कोचिंग संस्थान सरकार का व आम जनता के सुख-चैन का मुँह चिढ़ाते प्रतीत होते हैं।

इन कोचिंग संस्थानों के लिए जब राजस्थान हाउसिंग बोर्ड द्वारा सांगानेर प्रतापनगर,जयपुर के 200 फ़ीट रोड़ पर बेहद रियायती दरों पर कोचिंग हब तैयार कर दिया गया है तो...

- बेहद मोटा किराया भरते ये इंस्टिट्यूट वहाँ शिफ्टिंग की तैयारी क्यों नहीं कर रहे?
- आख़िर किसकी शैय और लालच ने इनको अवैध सुरक्षा व सहमति दी हुई है?
- लालकोठी से निकलकर गोपालपुरा बायपास को जाम करते ये कोचिंग व्यवसायी क्यों स्थायी रूप से प्रतापनगर कोचिंग हब में शिफ्ट होने की तैयारी नहीं कर रहे हैं?
- गोपालपुरा बायपास का कोई भी कोचिंग संस्थान ग़रीब व ज़रूरतमंद कोचिंग संचालक नहीं। ये सभी लाखों की फीस लेते हैं और हज़ारों का किराया भी भरते हैं।

गोपालपुरा बाईपास हो या टोंक रोड़ यहाँ चलते बड़े-बड़े कोचिंग इंस्टीट्यूट्स करोड़ों अरबों के व्यापारी वर्ग हैं। सपने ख़रीदते ये कोचिंग संस्थान देश की सेवार्थ नहीं बल्कि अपने अर्थ यानी पैसे के लिए काम करते हैं। जेडीए या नगर निगम जिसके भी अधिकार में जो एरिया आता है वो इन कोचिंग संस्थानों पर उदारता बरसाने के बजाए आदेश नोटिस जारी करे कि यह इंस्टिट्यूट्स केवल

समाधान

और केवल कमर्शियल बिल्डिंग्स व कमर्शियल एरिया में ही चलाए जा सकते हैं और वह कॉमर्शियल एरिया शहर के मुख्य मार्गों व बेहद व्यस्त आवागमन के एरिया में नहीं होना चाहिए अन्यथा बन्द करवा दिए जाएंगे।तब कहीं जाकर शहर को व्यवस्थित किये जाने की ओर एक क़दम बढ़ाया जा सकता है। गोपालपुरा बायपास को आदर्श बनाने के लिए अवैध निर्माणकर्ताओं को पालने पोसने की कोई आवश्यकता नहीं न ही एक वक्त बाद उन पर किसी स्पेशल प्रोजेक्ट के तहत उदारता बरसाने की आवश्यकता है।

रवि जैन
(आईएएस) आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण,जयपुर

जेडीए से प्रश्न

- 700 भूखंडों बनाम बिल्डिंग बायलॉज अनुसार अवैध भवनों का व्यवसायीकरण कोचिंग हब प्रतापनगर के 500-700 करोड़ के प्रोजेक्ट को पीटने का प्लान तो नहीं?
- इन अवैध बिल्डिंग्स को नोटिस देने के बजाय कॉमर्शियल पट्टे देने की तैयारी किस आधार पर कर रहा है जेडीए?
- बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करते इन इमारतों के मालिकों व कोचिंग इंस्टीट्यूट्स का मसीहा क्यों बन रहा है जेडीए?
- गोपालपुरा बाईपास पर कोई भी निर्माणाधीन भवन नहीं कि वह बिल्डिंग बायलॉज की शर्तें पूरी कर सके।
- क्या जेडीए उन सभी बिल्डिंग्स पर बुकडोज़र चलाएगा जो अवैध रूप से निर्मित हैं।
- भूखंडों को पट्टे? गोपालपुरा बाईपास पर भूखंड हैं? कहाँ वहाँ तो ढिठाई से ठहाके लगाते अवैध भवन खड़े हैं?
- कितना हास्यपद है कि पूर्ण बन चुके आवासीय भवनों को व्यवसायिक गतिविधियों को संचालित करते हुए सालों गुज़र गए अब उन्हें आदेशित किया जा रहा है कि वे बिल्डिंग बायलॉज से नियमानुसार बिल्डिंग में सुधार कर जेडीए को सूचित करें?
- जनता की आँखों में धूल और अवैध निर्माणकर्ताओं के दामन में फूल क्यों बरसा रहा है जेडीए?
- क्या यह भ्रष्टाचार के रास्ते खोलने की कवायद शुरू नहीं कर रहा है जेडीए का यह एक ग़लत निर्णय?
- भूखंडधारी या भवन मालिक से पार्किंग प्रबंधन शुल्क के नाम से एक लाख रुपये शुल्क लेने से क्या रोड़ पर पार्किंग की समस्या का समाधान सम्भव हो जाएगा?
- अग्निशमन सुरक्षा के लिए नियम बनाते जेडीए को अस्तित्व दमन करती शराब की दुकानें नज़र नहीं आ रहीं जो मुख्य मार्ग की गरिमा को खंडित कर रहीं हैं?
- ऐसे बहुत से प्रश्न जेडीए को घेरते हैं कि जेडीए अवैध बिल्डिंग्स पर जेसीबी चलाकर वाहवाही लूट रहा है और दूसरी तरफ़ यही जेडीए अवैध निर्माणों व बिल्डिंग बायलॉज के नियम तोड़ती आवासीय इमारतों को कमर्शियल पट्टे बाँटने को क्यों आतुर हुए जा रहा है?

जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा था कि शिक्षण संस्थानों को कमर्शियल या इंस्टीट्यूनल एरिया में होना चाहिए। रिहायशी इलाकों में कोचिंग इंस्टीट्यूट होने का क्या मतलब है? अदालत का कड़े रुख देखते हुए सिब्बल ने याचिका वापस लेने में ही भलाई समझी थी।

कोचिंग संस्थानों को कमर्शियल या इंस्टीट्यूनल एरिया में होना चाहिए : सुप्रीम कोर्ट 2016

सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में कहा था कि कोचिंग संस्थान रिहायशी इलाके में नहीं होना चाहिए साथ ही यह भी स्पष्ट तौर पर कहा था कि कोचिंग संस्थानों के कारण इलाकों को भीड़भाड़ बढ़ जाती है। वहां शोरगुल होता है। लड़के मटरगस्ती करते हैं। जिससे कि स्थानीय निवासी ख़ासकर लड़कियाँ,बुज़ुर्ग और बच्चों को परेशानी होती है। ऐसे में इन रिहायशी इलाकों कीशांति ख़त्म हो जाती है।

इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने जयपुर के लालकोठी इलाके में गैरकानूनी तरीके से चल रहे 118 संस्थानों को हटाने के राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। याचिका ऑल राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट एसोसिएशन द्वारा दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ता संगठन की ओर वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने पैरवी की थी और यह दलील दी थी कि ये कोचिंग संस्थान वर्षों से चल रहे हैं और हाईकोर्ट के निर्णय से कोचिंग का यह फलता-फूलता बिजनेस खत्म हो जाएगा। शीर्ष कोर्ट के निर्णय पर उन्होंने पूछा था कि आखिर कोचिंग संस्थान को कहाँ जाना चाहिए।

राजस्थान सरकार को स्मरण रहे कि-फरवरी 2022 में राजस्थान सरकार ने कोचिंग संस्थाओं पर नकेल कसने के लिए एज्युकेशन रेग्युलेटरी अथॉरिटी टीम बनाने की शुरुआत भी की थी। प्रदेश में कोचिंग सेंटर्स की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए राजस्थान सरकार ने कमेटी का गठन किया था। ।राज्य सरकार द्वारा गठित कमेटी द्वारा तैयार किए प्रारूप में कोचिंग सेन्टर्स का एजुकेशन रेग्युलेटरी अथॉरिटी में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य करने की सिफारिश की गई कि जिस कोचिंग संस्थान में 20 से ज्यादा छात्र होंगे, उन्हें रजिस्ट्रेशन कराना होगा। कोचिंग की मनमानी में बढ़ते हालातों को देखते हुए विधान सभा में भी यह मुद्दा उठाया गया था निर्दलीय विधायक बलजीत यादव ने कोचिंग सेन्टर्स की मनमानी का मुद्दा उठाया था। यादव ने कहा था कि कोचिंग सेन्टर्स में छात्रों से मनमानी फीस वसूल की जाती है और सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं दिया जाता। ऐसे में कोचिंग सेन्टर्स की मनमानी पर लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार को नियम बनाने चाहिए।उस दौर में प्रदेश में 3 हजार से ज्यादा कोचिंग सेन्टर्स पनप चुके थे । कोचिंग सेन्टर संचालकों की मनमानी बढ़ रही थी। इस हेतु राज्य सरकार ने लॉ यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. देव स्वरूप के संयोजन में कमेटी का गठन किया गया था। लेकिन अब तक कोई खास परिणाम सामने नहीं आए है।

यह स्मरण में लाने के पीछे मक़सद इतना है कि राजस्थान सरकार को क्या यह कोचिंग क्लासेस नज़र नहीं आते जो हर गली,मुहल्ले,मुख्य मार्गों व आवासीय इलाक़ों में फैलते जा रहे हैं इन्हीं के साथ फैल रहा सम्बंधित बाज़ार। चाट-पकौड़ी,खाने के ठेले आइस्क्रीम पार्लर कैफ़े,रेस्टोरेंट,साइबर कैफ़े,ढाबे स्टेशनरी,मोबाइल,कन्फेक्शनरी,कॉस्मेटिक्स की दुकानें/पार्लर। घरों में लोगों का जीना मुहाल हो गया है। इसी के साथ बढ़ गया है अपराधियों व असामाजिक तत्वों का आवागमन। इस तरह जब राजस्थान सरकार इन कोचिंग संस्थाओं के लिए एक छत और एक इंस्टीट्यूशनल एरिया बना कर रियायती दरों पर दे रही है तो क्यों ये संस्थान वहाँ शिफ़्ट नहीं हो रहे। इस हेतु सरकार को उन कोचिंग संस्थानों पर कार्यवाही करने की आवश्यकता है जो ऊपर दी गयी किसी भी समस्या का हिस्सा हैं।इस तरह से सरकार को उन्हें नोटिस जारी कर सख़्त क़दम उठाने की आवश्यकता है।

ख़बर बेख़बर

गोपालपुरा बायपास के मुख्य मार्ग पर शराब की दुकानें चलना क्या सही हैं ?

परसादीलाल मीणा
आबकारी मंत्री

क्या मुख्य मार्गों, बिजी ट्रेफ़िक एरिया, आवासीय व शैक्षणिक क्षेत्रों में शराब की दुकानें चलना नैतिक व सामाजिक वातावरण के लिए चुनौती नहीं हैं?

शराब एक नशा है जो जीवन को नष्ट करने का सस्ता साधन तो है ही साथ ही मानसिक विकृति व अपराधिक प्रवृति या स्थिति को भी जन्म देता है ।

ऐसे में गोपालपुरा जैसे मुख्यमार्ग पर जहाँ कोचिंग संस्थान भी चल रहे हैं। जहाँ आम बाज़ार भी विकसित है। वहाँ अनेक शराब की दुकानें चल रहीं हैं। क्या यह एक अजीब और अनैतिक गतिविधि नहीं जो इस क्षेत्र के युवाओं को तो भ्रमित कर ही सकती है और तो और कोचिंग में पढ़ती मासूम बच्चियों के लिए भी सुरक्षात्मक दृष्टि से ठीक नहीं।

शराब की दुकानों के यहाँ होने से क्या महिला सुरक्षा प्रभावित नहीं होती है? इस दौर में महिला उत्पीड़न के मामलों में यूँ भी राजस्थान ने अपना नाम रोशन किया है तो क्या आबकारी विभाग मंत्री महोदय परसादीलाल मीणा को इस विषय में गंभीरता नहीं बरतनी चाहिए। क्या गोपालपुरा बायपास के व्यापारी मण्डल को इस बारे में गंभीरता से विचार नहीं करना चाहिए? आम नागरिकों के हितों की रक्षा का ज़िम्मा सरकार का है ऐसे में इस तरह के मसलों को सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए।

आर्थिक मोर्चे पर महिलाओं को आज़ादी

सम्पादकीय

आत्मनिर्भर भारत का विचार पुरातन संस्कृति और संस्कार का वह प्रस्फुटन था, जिसने भारत को संपूर्ण वैश्विक अर्थव्यवस्था का चालक और नियंत्रक बनाया था। विभिन्न कालखंडों में अनेकानेक आक्रांत विचारधाराओं ने आत्मनिर्भर भारत के भाव को धूमिल अवश्य कर दिया था, परंतु अपने अथक प्रयासों के उपरांत भी उसे नष्ट नहीं कर पाए। आत्मनिर्भरता का वास्तविक अर्थ गैर-भावनात्मक निर्भरता से है। स्पष्ट है यह वह स्वरूप है जहां हमारी आंतरिक प्रसन्नता बाह्य उपलब्धि पर निर्भर नहीं होती। आज ग्रामीण महिलाओं के लिए उद्यमिता न केवल उनके आर्थिक संबल को विस्तार दे रही है, बल्कि उनके व्यक्तित्व को भी सशक्त कर रही है। इन प्रयासों में तीव्रता लाई जाती है तो 2030 तक महिलाओं के स्वामित्व वाले 3.15 करोड़ उद्यम हो सकते हैं। देश में अगर बहुतायत संख्या में महिलाओं ने उद्यमिता को अपनाया तो इस समय सीमा के भीतर लगभग 15 से 17 करोड़ रोजगार सृजित किए जा सकते हैं। यदि अधिक महिलाएं कार्यबल का हिस्सा बनती हैं तो यह 2025 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 0.7 ट्रिलियन डालर की वृद्धि करेगा। मुद्रा योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जैसी अनेक योजनाओं ने महिलाओं के आर्थिक संबलीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वस्तुतः अवसरों की उपलब्धता और भागीदारी महिलाओं के लिए सशक्तीकरण की असीम संभावनाएं बनाती है। महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण राष्ट्र और आत्मनिर्भर भारत के विकास लक्ष्यों के साथ महिलाओं को एकीकृत करने का सबसे व्यावहारिक समाधान है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं ने पर्यावरण संबंधी चिंताओं, सामाजिक-आर्थिक उन्नति और डिजिटल माध्यमों का प्रभावी रूप से प्रयोग कर अपने समुदाय के भीतर अपने लिए विश्वसनीयता और नेतृत्व क्षमता को स्थापित किया है। ये वे महिलाएं हैं जिन्होंने न केवल धन अर्जन में अपनी भूमिका दर्ज कराई है, अपितु भावी संगठनों का निर्माण करते हुए अभिकर्ताओं का स्वरूप भी परिवर्तित किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था में महिलाएं कृषि कार्य, डेयरी उद्योग, पशुपालन, मत्स्य पालन और कुटीर उद्योगों सहित आर्थिक गतिविधियों के विस्तृत दायरे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। बचत, उपभोग-अभिवृत्ति और पुनर्चक्रण-प्रवृत्ति के संदर्भ में किंचित संदेह नहीं कि भारत की अर्थव्यवस्था महिला केंद्रित है। वे भूमि की तैयारी से लेकर विपणन तक कृषि से संबंधित सभी गतिविधियों में संलग्न हैं। पशुधन एक प्रथम आजीविका गतिविधि तो है ही साथ ही इसका उपयोग घरेलू खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी किया जाता है। मत्स्य पालन में प्रसंस्करण महिलाओं द्वारा किया जाता है। ये वे महिलाएं हैं, जिन्होंने तमाम मिथकों को ध्वस्त करते हुए अपना नया अस्तित्व गढ़ा है।

केंद्र की कई योजनाएं बनेंगी आत्मनिर्भर भारत की नींव का पत्थर

साथ ही स्थानीकरण और विकेंद्रीकरण को मजबूती देते हुए उस धारणा को भी गलत सिद्ध किया है, जो इस सोच के साथ उभरती है कि अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण उद्योगीकरण से ही हो सकता है। आज आत्मनिर्भर भारत की स्वप्निल छवि भारत के उन गांवों में प्रतिबिंबित हो रही है, जहां गांव के नाम, उसकी पहचान वहां की महिलाओं के नाम से हो रही है। वे न केवल स्वयं को सशक्त कर रही हैं, अपितु अपने समुदाय को भी सुदृढ़ कर रही हैं। कृषि मित्र, आजीविका पशु मित्र, वीसी सखी जैसी उपमाओं से विभूषित महिलाएं 'स्वायत्तता' के वास्तविक अर्थ को उद्घाटित करने में अनवरत प्रयास कर रही हैं। भारत की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है और धीरे-धीरे इसकी कमान महिलाओं के हाथ में आ गई है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अंतर्गत सरकार महिला सशक्तीकरण परियोजना चला रही है। इस परियोजना के अंतर्गत महिला किसानों को कृषि के आधुनिक तौर-तरीके सिखाए जा रहे हैं। यहां स्वायत्तता का अर्थ किसी भी स्थिति से निपटने की क्षमता से भी है। ग्रामीण महिला उद्यमियों में उच्च स्वायत्तता उनकी रुचि के व्यवसाय को चुनने की उनकी क्षमता प्रकट करती है। वहीं महिला उद्यमियों में व्यक्तिगत विकास उनके विकास के तरीके को निर्धारित करता है। ग्रामीण महिलाओं के उत्थान में स्थानीय समुदायों और राष्ट्र को समग्र रूप से बदलने की क्षमता है। उत्तर प्रदेश की महिलाएं इसकी एक मिसाल के रूप में उभरी हैं, जिन्होंने मिशन शक्ति के तहत गाय के गोबर से दीये एवं गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति बनाकर स्वयं के लिए आत्मनिर्भरता का नया मार्ग प्रशस्त किया है। इसका उन्हें बहुत लाभ मिला है। कुल मिलाकर आत्मनिर्भर भारत का विशाल दृष्टिकोण उस केंद्रीय भाव और विचारधारा पर आधारित है जहां मिट्टी, पेड़, तालाब, नदी, पहाड़ हमारी अर्थव्यवस्था को संवारने के बीज मंत्र बने हैं। महिला स्वायत्तता देश की अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण का महत्वपूर्ण स्तंभ होने के साथ ही महिलाओं की प्रसन्नता एवं संतुष्टि का भी एक प्रमुख कारक है। यह उन चीजों को करने का विकल्प है, जो एक व्यक्ति स्वयं की संतुष्टि के लिए चुनता है और बिना किसी सामाजिक और पारिवारिक दबाव के मनोनुकूल परिवेश में कार्य करता है।

हाल में भारत सरकार द्वारा देश के ग्रामीण क्षेत्रों की महिला उद्यमियों के बीच खुशी का आकलन करने के लिए एक अध्ययन किया गया है। उसके परिणाम बताते हैं कि स्वायत्तता, व्यक्तिगत विकास, आत्म-स्वीकृति, जीवन में उद्देश्य, प्रामाणिकता, क्षमता और निपुणता वे कारक हैं, जो खुशी के स्तर को बढ़ाते हैं। यह बताने के लिए काफी है कि महिला स्वायत्तता को लेकर केंद्र सरकार के अथक प्रयास न केवल आत्मनिर्भर भारत की नींव के पत्थर बनेंगे, बल्कि खुशहाल भारत के सुदृढ़ स्तंभ का आधार भी होंगे।

स्ट्राइप्स का एवरग्रीन फैशन

फैशन की दुनिया में कुछ स्टाइल एवरग्रीन होते हैं जैसे कि स्ट्राइप्स. स्ट्राइप कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता और इसकी खास बात यह है कि आप इसे किसी भी फंक्शन में और किसी भी अन्य स्टाइल के साथ मैच करके पहन सकती हैं. वहीं हर लड़की की वॉर्डरोब में आपको कोई न कोई स्ट्राइप ड्रेस तो मिल ही जाएगी. एक बार फिर स्ट्राइप का क्रेज खूब देखने को मिल रहा है. स्ट्राइप को कैरी करने का भी एक तरीका होता है, अगर आप गलत स्ट्राइप चुनेंगी तो लुक स्टाइलिश की बजाय खराब दिखेगा. चलिए कुछ ट्रेंडी स्ट्राइप और उन्हें कैरी करने का आपको सही तरीका बताते हैं.

वर्टिकल और जिग-जैग

ड्रेस में स्लिम दिखना चाहती हैं तो वर्टिकल स्ट्राइप ड्रेस पहनें. इससे आप पतली दिखेंगी. वर्टिकल स्ट्राइप टॉप या पैंट्स को भी आप अपनी वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं. लड़कियों को ज्यादातर वर्टिकल स्ट्राइप्स ही पसंद आते हैं. मल्टीकलर जिग-जैग स्ट्राइप्स भी आपको फ्रेश लुक देते हैं और जिग जैग स्ट्राइप स्लिप लड़कियों को ज्यादा सूट करते हैं.

कलर ब्लॉक्ड

कलर ब्लॉक्ड स्ट्राइप्स में मोटी, बोल्ड और अलग-अलग रंगों की स्ट्राइप्स का फैशन देखने को मिलता है. कलर ब्लॉक्ड स्ट्राइप्स टॉप व ड्रेसेज लड़कियों को काफी पसंद आती है. कैजुअल आउटिंग के लिए आप इसे ट्राई कर सकती हैं. जो लड़कियां यंग और गर्लिश लुक चाहती हैं, उन्हें इस तरह की कलरफुल स्ट्राइप्स ड्रेसेज जरूर ट्राई करनी चाहिए.

ब्रेटन

ब्रेटन स्ट्राइप्स का फैशन काफी पुराना है. इसमें एक डार्क और एक लाइट स्ट्राइप का यूज किया जाता है. विदेशी महिलाएं इस तरह के स्ट्राइप्स को काफी पसंद करती हैं. ये स्ट्राइप आपको कैजुअल के साथ एलिगेंट लुक देता है.

मिनी-माइक्रो

इसमें स्ट्राइप बहुत पतली व बारीक होती हैं इसीलिए इन्हें मिनी-माइक्रो स्ट्राइप्स कहते हैं. इसे आप बोल्ड प्रिंट्स जैसे एनिमल, कार्टून या पोल्का डॉट्स के साथ कंट्रास्ट करके कैरी कर सकते हैं. जैसे स्ट्राइप टॉप के साथ एनिमल या पोल्का डॉट्स वाली स्कर्ट या पैंट्स पहनी जा सकती हैं. इस प्रिंट में आप सूट व साड़ी भी ट्राई कर सकते हैं.

इन बातों का रखें ख्याल

- हाइट छोटी है तो वर्टिकल स्ट्राइप ड्रेसेज पहननी चाहिए.
- बहुत ज्यादा स्लिम हैं तो हॉरिजॉन्टल स्ट्राइप ड्रेस चुनें.
- स्ट्राइप ड्रेसेज के साथ ज्यादा हैवी ज्वेलरी कैरी करने से बचें. पहननी है तो चंकी और प्लेन कलरफुल एक्सेसरीज पहनें.
- जींस के साथ टॉप वियर करना चाहती हैं तो नॉटिकल स्ट्राइप्ड चूज करें.

रिलेशनशिप में आने के बाद बदलाव के लिए रहें तैयार

लोग जब रिलेशनशिप में आते हैं और एक दूसरे को डेट करना शुरू करते हैं, तो उनके जीवन में भी बदलाव आना शुरू होता है. डेटिंग हो या फिर शादी, रिश्ते में जुड़ने के बाद कपल के जीवन में बहुत कुछ बदल जाता है. अभी तक सिंगल लाइफ को एन्जॉय कर रहे पार्टनर को अपने साथी के बारे में भी सोचना होता है, एक दूसरे को अपना वक्त देना होता है. खुद की पसंद के साथ ही पार्टनर की पसंद-नापसंद का भी ख्याल रखना होता है. हालांकि अगर कपल इन बदलावों को अपना नहीं पाता तो उसका रिश्ता विवादों और तनाव में आ जाता है. इसलिए रिलेशनशिप में आने के बाद जीवन में होने वाले बदलावों के लिए दोनों को तैयार रहना चाहिए.

बदल सकता है रूटीन

शादीशुदा हों या डेटिंग कर रहे हों, कपल की रूटीन बदल जाती है. लोग अपने पार्टनर के समय के साथ तालमेल बिठाने लगते हैं. जैसे अगर शादी हो गई है तो पति-पत्नी के सुबह सोकर उठने का समय, साथ नाश्ता करने या शाम में एक साथ बैठकर चाय पीने और बातें करने का टाइम एक हो जाता है. ऐसे ही डेटिंग कर रहे कपल भी पार्टनर के वक्त के मुताबिक खुद को उनके साथ समय बिताने के लिए फ्री कर लेते हैं.

जिम्मेदारी

सिंगल लाइफ में लड़के या लड़की पर कोई जिम्मेदारी नहीं होती, लेकिन कपल बनने के बाद उनके लिए पार्टनर जिम्मेदारी बन जाता है. पार्टनर की इच्छाओं, जरूरतों का ख्याल रखना पार्टनर की जिम्मेदारी बन जाती हैं.

पसंद-नापसंद

अक्सर जो चीजें हमें सिंगल होने पर पसंद नहीं होतीं, वह शादी के बाद पार्टनर के लिए पसंद आने लगती हैं. जैसे जिन लड़कों को एक्शन फिल्में पसंद होती हैं, वह पार्टनर के साथ सिनेमा हॉल जाने पर रोमांटिक मूवी देखने के लिए एक्शन फिल्म छोड़ देते हैं.

प्राथमिकता बदलना

शादी के बाद या रिलेशनशिप में आने के बाद कपल की प्राथमिकताएं भी बदलने लगती हैं. पहले दोस्त और ऑफिस उनकी प्राथमिकता हो सकते हैं, लेकिन रिश्ते में जुड़ने के बाद पार्टनर उनकी प्राथमिकता बन जाता है.

अगर कुछ बताने या सुनने से डर रहा हो

ऐसे कई बच्चे होते हैं जो इस तरह की बातों से झेंप जाते हैं और वे न तो अपनी परेशानी बता पाते हैं और न ही आपकी बातें सुन पाते हैं. ऐसे में कई बार माता-पिता बच्चे के व्यवहार को देखकर इरिटेट हो जाते हैं. ये बिल्कुल नहीं करना है. बच्चों से कहें, 'तुम्हें मुझे जो भी बताना है वो बताओ', 'अगर तुम्हारे पास समय है तो हम बात कर सकते हैं?', 'आज मैं तुमसे बहुत जरूरी बात करना चाहती हूं, क्या तुम सहज महसूस कर रहे हो?'

मेंस स्किन केयर मिस्टेक्स

क्या आप भी शेविंग क्रीम की जगह फोम का प्रयोग करते हैं? या फिर बॉडी और फेस के लिए आप भी एक ही साबुन का इस्तेमाल करते हैं? जाने-अनजाने में हम ऐसी गलतियां करते हैं और हमें एहसास भी नहीं होता कि हम अपनी स्किन को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं. ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में जानिए और ये भी कि आप उन्हें कैसे ठीक कर सकते हैं.

- चेहरे की त्वचा सबसे संवेदनशील होती है और इसकी देखभाल की कुछ अनूठी जरूरतें होती हैं. अपने शरीर और चेहरे को एक ही साबुन से धोना अच्छा विचार नहीं है. ऑर्गेनिक इंग्रीडिएंट्स वाले फेसवॉश का उपयोग पुरुषों के लिए बेस्ट है. एक्टिवेटेड चारकोल युक्त फेसवॉश एक अच्छा विकल्प है. यह केमिकल्स के बिना बैक्टीरिया और गंदगी को हटाता है, जो आपकी त्वचा को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं. इसलिए साबुन के बजाय नैचुरल सोप या बॉडी वॉश का उपयोग करें.
- फोमिंग शेविंग क्रीम आपकी त्वचा के लिए अच्छी नहीं है. यह आपकी त्वचा की रक्षा करने और आपके रेजर को चिकनाई देने में नाकाम रहता है. हवा के बुलबुले जिन्हें आप फोम कहते हैं, आपके चेहरे को जलन से बचाने के लिए कुछ नहीं करते हैं. इसके बजाय पुरुषों के लिए लोशन आधारित नो-फोम शेव क्रीम बेहतर है. अगर आप इसका प्रयोग करेंगे तो आपको तुरंत फर्क नजर आने लगेगा. हाई क्वालिटी शेव क्रीम का उपयोग करने का मतलब है कम रेडनेस और कम से कम त्वचा में जलन और खुजली. शेविंग के बाद हमेशा एक नैचुरल आफ्टरशेव का इस्तेमाल जरूर करें. इसमें अल्कोहल नहीं होना चाहिए.

- पुरुषों के लिए दिन में दो बार फेसवॉश का इस्तेमाल करना जरूरी है. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि पुरुषों के लिए फेस मॉइस्चराइजर उतना महत्वपूर्ण नहीं है. ज्यादातर पुरुषों को हर बार अपना चेहरा धोते समय मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए.
- स्किन को ड्राई बनाने के बहुत से कारण हो हैं, लेकिन सूर्य की किरणें इसका सबसे बड़ा कारण है. हमेशा सन प्रोटेक्शन का इस्तेमाल करें. इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं. अपने मॉइस्चराइजर के इस्तेमाल के बाद इसका प्रयोग करना न भूलें. एसपीएफ-15 या इससे अधिक रेटिंग वाला सनस्क्रीन चुनें.

ऐसे करें निजी बातें

बच्चों से निजी बातें करना आसान नहीं होता है. वे किसी भी बात का गलत मतलब निकाल सकते हैं और आगे चलकर ऐसी बातें उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन सकती हैं. अगर बच्चे को कोई समस्या है तो उसे इसके बारे में बात करने की समझ होनी चाहिए. अधिकतर लोग इस चीज से झिझकते हैं कि वो अपने बच्चों से किस तरह से बात करेंगे, लेकिन असल मायने में ये जरूरी है कि आप बच्चों से निजी बातें करें और उन्हें ये बताएं कि आखिर क्यों उनके लिए ये जानकारी अहम है.

माता-पिता ही नहीं, बल्कि इस बारे में दादा-दादी, दोस्त या टीचर कोई भी चिंतित हो सकता है. सही दिशा देना और उनके बारे में सही जानकारी रखना बहुत जरूरी है. ये बहुत मुश्किल होता है कि आप अपने बच्चों के बारे में सही जानकारी ले सकें और ये समझ सकें कि आखिर उन्हें समस्या क्या हो रही है.

घर का माहौल

अगर घर पर कोई समस्या हो जिससे माता-पिता हमेशा ही लड़ते रहें, घर पर तलाक हो या फिर परिवार में किसी की मृत्यु हो जाए तो बच्चे बहुत ही इंट्रोवर्ट और परेशान हो जाते हैं. बच्चों को इस तरह की समस्याओं के लिए तैयार करना भी जरूरी है. ऐसे में आपको ये ध्यान रखना है कि अगर बच्चा रिएक्ट नहीं कर रहा है तो उसके सामने इस तरह की चीजों को थोड़ा कम रखें.

उनके व्यवहार को नोटिस करना जरूरी

बच्चे अपने खेल को और शब्दों के द्वारा ही अपने मन की बात बताने की कोशिश करते हैं. उनके साथ समय बिताकर ये जरूरी है कि आप उनकी फीलिंग्स के बारे में समझें. आपको जो बात करनी है, वो करने से पहले यह जानना बहुत आवश्यक है कि बच्चों की मन:स्थिति क्या है. ऐसे बच्चे, जो स्ट्रेस में होते हैं या फिर बहुत ज्यादा डिस्टर्ब रहते हैं, वो अपने खिलौनों के साथ लड़ने की कोशिश करते हैं, घर की चीजों को तोड़ने-फोड़ने की कोशिश करते हैं. ऐसे में ये आपकी जिम्मेदारी बन जाती है कि कोई भी बात करने से पहले बच्चों की स्थिति को समझें.

डरावनी चीज को लेकर चिंतित

ऐसा हो सकता है कि अगर आप उससे निजी बातें करें तो आपका बच्चा आपको पहले की किसी घटना के बारे में बताए. माता-पिता के लिए ये दुस्वप्न जैसा हो सकता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि आप बच्चे को पहले इसके बारे में न बताने के लिए डांटें, या उसकी बात न सुनें. या एकदम से बहुत ही ज्यादा शॉकिंग रिएक्शन दें जिससे बच्चा डर जाए. ये आपके साथ-साथ बच्चे के लिए भी बहुत खतरनाक साबित हो सकता है.

भारी शब्दों का प्रयोग न करें

कभी भी ऐसी चीजों को समझाते समय भारी शब्दों का प्रयोग न करें बल्कि आराम से बच्चों को समझाने की कोशिश करें. भारी शब्द या फिर आपके दबे हुए रिएक्शन उन्हें ये एहसास दिला सकते हैं कि आप जिसके बारे में बात कर रहे हैं, वो गलत है. आप उसके बारे में खुलकर बात नहीं कर पाएंगे. बच्चों को सही और सच बताना बहुत जरूरी है जो उन्हें आसानी से समझ आए. माता-पिता का झेंपना बच्चे की जिज्ञासा को और बढ़ा सकता है. ऐसे में ये जानना बहुत जरूरी है कि बच्चा गलत जगहों से भी ऐसी जानकारी ले सकता है. खुलकर बात करने से कई समस्याएं हल हो सकती हैं.

कम ख़र्च में क्लासी लुक

अपने घर को बेस्ट-क्लासी लुक देना जरा भी मुश्किल नहीं है. इसके लिए कुछ जरूरी बातें ध्यान में रखनी होंगी.

- दीवारों के लिए नैचुरल कलर्स चुनें. ये देखने में अच्छे लगते हैं और इनके साथ हर रंग-शेड को कंबाइन किया जा सकता है. जैसे- ऑफ व्हाइट वॉल और म्यूटेड अपहोल्स्ट्री वाले सोफे के साथ हर रंग-स्टाइल के कुशन और एक्सेसरीज सुंदर दिखती है.
- ओक वुड फर्नीचर हर तरह की इंटीरियर थीम और कलर थीम के साथ अच्छा लगता है. इसका नेचुरल लुक घर को एलिगेंस देता है तो अलग-अलग शेड्स इंटीरियर में वैराइटी लाते हैं. इसलिए फर्नीचर खरीदते वक्त इसे तरजीह दें.
- क्लासी लुक के लिए लिविंग रूम में एक लीड डेकोर आइटम जरूर लगाएं. यह कोई बड़ी पेंटिंग, सुंदर सा स्कल्पचर, एंटीक-मिरर कुछ भी हो सकता है.
- गैलरी वॉल पर अलग-अलग स्टाइल के फ्रेम में पेंटिंग्स लगाएं. ये देखने में अच्छे लगते हैं और इससे इंटीरियर में भी विविधता बनी रहती है.
- हर कमरे में एक एंटीक डेकोर आइटम रखें. अगर कुछ ट्रेंडी चीजें आपके पास हैं तो उनके साथ इन्हें मिक्स एंड मैच करें.
- सॉफ्ट फर्निशिंग चुनते समय ब्लैक, ऑफ व्हाइट, बेज, नेवी ब्लू, डार्क ग्रीन जैसे रंगों को तरजीह दें. प्रिंट-पैटर्न सिलेक्ट करते समय स्ट्राइप्स, चेक्स व फ्लोरल पर फोकस करें. कभी-कभी इनके साथ एनिमल या शेवरन पैटर्न पेयर करें. ये आपके घर को अलग लुक देंगे.
- हैंडमेड और पर्सनलाइज्ड एक्सेसरीज को घर में जगह दें. ये सुंदर दिखने के साथ घर को कलात्मक अप्रोच देती हैं.
- दरवाजों, वॉर्डरोब, किचन कैबिनेट्स आदि को मैटफिनिश लुक दें. ये देखने में अच्छा लगता है.
- घर में एक सुंदर-सी बुकशेल्फ जरूर लगाएं. इसमें किताबों के साथ इंडोर प्लांट्स, स्टाइलिश एक्सेसरीज, प्रशस्तिपत्र, फेवरेट फोटोज आदि रखें. घर क्लासी और खूबसूरत दिखेगा.
- इंडोर प्लांट्स को इंटीरियर का महत्वपूर्ण अंग बनाएं.

गुस्सैल पेट्स पर ऐसे रखें नियंत्रण

ज़्यादा देर अकेला नहीं छोड़ें

ज्यादा देर तक अकेले रहने वाले पेट्स चिड़चिड़े और गुस्सैल हो जाते हैं. इसलिए कोशिश करें कि उसे अकेले नहीं छोड़ें. अगर अकेला छोड़ना भी पड़े तो आने के बाद अधिक समय दें.

नस्ल का ध्यान रखें

समय पर खाना न मिलना इसकी एक बड़ी वजह है. प्रजनन काल में भी पेट्स आक्रामक होते हैं. नस्ल व जरूरत एवं विशेषज्ञ सलाह से उसका फूड तय करें. ब्रीड के आधार पर स्वभाव का भी ध्यान रखें. यह भी पता करें कि कौन-से दिनों में पेट्स का व्यवहार बदलता है. डायरी भी बना सकते हैं.

हार्मोन भी वजह

अमेरिका की एरिजोना यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के अनुसार, हार्मोन्स के कारण भी पेट्स के व्यवहार में बदलाव आता है. ऐसे में समय पर टीकाकरण करवाएं.

- घर के लिए पालतू नस्ल ही लाएं.
- पिटबुल जैसे पेट्स दूसरों के प्रति आपके व्यवहार से भी आक्रामक हो जाते हैं.
- किसी पर गुर्राए तो शुरुआत में ही रोकें और ट्रेनिंग दिलाएं. हल्की सजा भी दे सकते हैं.
- पेट्स के सामने डरें नहीं.
- खुद से उसे किसी पर जंप करने के लिए न कहें.
- उसकी जरूरतों, फूड व टीकाकरण का ध्यान रखें.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

जयपुर
रविवार, 14 अगस्त, 2022

एक नज़र

मेयर सौम्या गुर्जर व तीन पार्षद दोषी

हिलव्यू समाचार

ग्रेटर नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर के पद पर एक बार फिर से तलवार लटक गई है। निगम के पूर्व आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ बदसलूकी मामले में मेयर सौम्या गुर्जर और तीन पार्षदों को राज्य सरकार की तरफ से करवाई गई न्यायिक जांच में दोषी माना गया है। इस मामले में संयुक्त सचिव विधि प्रारूपण मुदिता भार्गव ने जांच की थी। इस जांच में महापौर सौम्या गुर्जर और पार्षद शंकर शर्मा, पारस जैन और अजय सिंह चौहान को दोषी माना गया है। मेयर ने बताया कि उन्हें फैसले की कॉपी नहीं मिली है। कॉपी मिलने के बाद ही आगे कदम उठाया जाएगा। उम्मीद की जा रही है फैसले की कॉपी शुक्रवार को मिलेगी। मेयर सौम्या गुर्जर और पार्षदों ने तत्कालीन कमिश्नर यज्ञमित्र देव सिंह पर बीवीजी कंपनी से सांठगांठ के आरोप लगाए थे। इसके बाद कमिश्नर से उनका विवाद हो गया। इस पर कमिश्नर ने ज्योति नगर थाने में मेयर पर अभद्र भाषा बोलने और पार्षद पारस जैन सहित कुछ पार्षदों पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। इसके बाद यूडीएच मंत्री धारीवाल ने डीएलबी की अधिकारी रेणु खंडेलवाल को पूरे मामले की जांच सौंपी थी।

राज्य सरकार ले सकती है एक्शनः जांच रिपोर्ट के बाद बॉल सरकार पाले में है। इस रिपोर्ट के आधार पर सौम्या गुर्जर और अन्य तीन पार्षदों को बर्खास्त करने का कदम उठा सकती है। इन चारों को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य भी घोषित कर सकती है।

सरकार के पास नए चुनाव के विकल्प : सरकार की तरफ से यदि सौम्या को हटाया जाता है तो तत्काल कार्यवाहक मेयर नियुक्त कर कामकाज सुचारू रूप से चलाने की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही नए मेयर के चुनाव की कार्यवाही भी शुरू की जाएगी।

एक करोड़ स्टूडेंट्स ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

25 मिनट तक एक साथ गाए देशभक्ति गीत, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में मिली जगह

राजस्थान में 25 मिनट तक ये छह गीत गाए गए

- राष्ट्रगीत वन्देमातरम
- सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा
- आओ बच्चों तुम्हें दिखाए झांकी हिंदुस्तान की
- झंडा ऊंचा रहे हमारा
- हम होंगे कामयाब हम होंगे कामयाब
- राष्ट्रगान जन गण मन

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। 75 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देशभर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में राजस्थान में देशभक्ति के गीत गाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। सुबह सवा दस बजे से 10 बजकर 40 मिनट तक प्रदेशभर में एक करोड़ स्कूली छात्र एक साथ राष्ट्रभक्ति के गीत गाए। मुख्य कार्यक्रम जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में हुआ। जहां 26,000 स्कूली बच्चों के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मौजूद रहेंगे। बच्चों की इस उपलब्धि को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में जगह दी गई है। शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पवन कुमार गोयल ने बताया कि प्रदेश के 67,000 सरकारी और 50,000 प्राइवेट स्कूलों को इसमें शामिल किया गया था। जिनमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक पढ़ने वाले लगभग एक करोड़ बच्चों ने एक साथ 25 मिनट तक राष्ट्रभक्ति से जुड़े 6 गीत गाए। गोयल के मुताबिक पूरे राजस्थान में यह एक ही समय पर एक सुर और लय के साथ गाए गए। बता दें कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत घर-घर तिरंगा लगाने के साथ ही राजस्थान सरकार द्वारा राष्ट्रीय गीत गाकर स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया जाएगा। प्रदेशभर में जहां-जहां 15 अगस्त पर झंडा लहराया जाता है। उन्हीं स्थानों के साथ बड़े मैदान और गार्ड में स्कूली छात्र राष्ट्रीय भक्ति से जुड़े गीत गाते नजर आए।

बहनों ने दिनभर बांधी भाई को राखी

हिलव्यू समाचार

बहन और भाई के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान बहनों ने भाइयों को राखी बांधी। इधर, रोडवेज और सिटी बसों में बहनों के निशुल्क सफर की व्यवस्था किए जाने से भारी भीड़ उमड़ी। रक्षाबंधन पर भद्रा का वास पाताल में होने के कारण ज्योतिषियों ने पूरा दिन रक्षा सूत्र बांधने के लिए उपयुक्त बताया था। इसके अलावा भद्रा पुष्य काल में शाम 5:18 से 6:20 बजे तक तथा प्रदोष काल में रात 8:51 से 9:50 बजे के बीच भी बहनों ने भाइयों को राखी बांधी।

जेल में राखी बांधने पहुंचीं सिस्टर्सः वहीं जयपुर जेल में बंद कैदियों को राखी बांधनें के लिए भी सैकड़ों की संख्या में बहने केंद्रीय कारागार पहुंची। इस दौरान एक-एक करके प्रवेश दिए जाने के कारण जेल के बाहर भारी भीड़ हो गई।

रोडवेज बसें बनी हम 'सफर': राज्य सरकार की ओर से रोडवेजी की बसों में महिलाओं के निशुल्क सफर की व्यवस्था किए जाने से प्रमुख बस स्टेंड्स पर भारी भीड़ देखने को मिली। वहीं शहरी बस सेवा महिलाओं के लिए निशुल्क किए जाने से सफर के लिए बसों में जाने की लिए महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिली।

मुख्य सड़कों पर रेंगता रहा ट्रैफिकः रक्षाबंधन पर लोगों का आवागमन बढ़ने और खरीदारी करने के कारण प्रमुख सड़कों पर जाम की स्थिति रही। शहर के परकोटे में छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़, चांदपोल, किशनपोल में कई बार जाम लगा। वहीं, टोंक रोड और जेएलएन मार्ग पर भी वाहनों का भारी आवागमन रहा। जेडीए सर्किल, गोपाल पुरा मोड, सहित प्रमुख चौराहों पर वाहनों की लंबी कतार देखने को मिली।

दौसा में सभा की, फिर जयपुर कूच, समझौते के बाद स्थगित

हिलव्यू समाचार

13 जिलों की लाइफ लाइन बन सकने वाला ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट यानि ईआरसीपी पर प्रदेश में आने वाले समय में सियासत परवान पर होगी। भाजपा की तरफ से इस बात के संकेत दे दिए गए है। मंगलवार को भाजपा के राज्यसभा सांसद डाक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने आदिवासी दिवस पर जल क्रांति का कॉल देते हुए हजारों समर्थकों के साथ पहले दौसा में सभा की फिर जयपुर की तरफ कूच कर दिया। इससे पहले दौसा के पास नांगल प्यारीवास में जनसभा में मीणा ने कहा कि राज्य सरकार योजना की तकनीकी खामियां दूर नहीं कर रही है।

ईआरसीपी को लेकर जो डीपीआर केंद्र को भेजी गई थी, उसमें उसमें 50 प्रतिशत जल निर्भरता का प्रोजेक्ट बनाया था। राष्ट्रीय परियोजना घोषित करवाने के लिए 75 प्रतिशत जल निर्भरता करना आवश्यक है। मीणा ने कहा कि चंबल का पानी मध्य प्रदेश से आता है। ऐसे में मध्य प्रदेश की सहमति भी आवश्यक है। मीणा के साथ उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने भी राज्य सरकार पर ईआरसीपी को उलझाने का आरोप लगाया।

दो दिन में बना दी जाएगी कमेटी

भाजपा नेताओं के साथ हजारों समर्थकों के कूच को देखते हुए एक्शन में आई सरकार की तरफ से पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह को वार्ता के लिए भेजा गया। दौसा से आए काफिले को जटवाड़ा में ही भारी पुलिस बंदोबस्त के साथ रोक दिया गया। दौसा प्रभारी मंत्री विश्वेंद्र सिंह शाम 6 बजे सांसद किरोड़ीलाल मीणा, उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, बीजेपी नेता अरुण चतुर्वेदी के साथ वार्ता के लिए जटवाड़ा स्थित लक्ष्मी निवास होटल पहुंचे। इस बीच जटवाड़ा में पुलिस व आंदोलनकारियों के बीच उलझाट चलती रही। प्रभारी मंत्री विश्वेंद्र सिंह के साथ डॉ. मीणा व भाजपा नेताओं की वार्ता हुई। तय हुआ कि 48 घंटे में राज्य सरकार एक सर्वदलीय कमेटी गठित करेगी। यह कमेटी वार्ता के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय व जल आयोग जाकर परियोजना की कमियों के बारे में जानकारी लेगी और राज्य सरकार को अवगत कराएगी। मीणा और विश्वेन्द्र सिंह ने समझौत की पुष्टि करते हुए कहा कि राजस्थान की हित के योजनाओं को लेकर राजनीति से हटकर बात की जाएगी। मीणा ने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से आश्वासन के बाद फिलहाल कूच स्थगित कर दिया गया है।

वसुंधरा सरकार में बनाई गई थी योजना

भाजपा नेताओं ने कहा कि योजना पूर्ववर्ती वसुंधरा सरकार में 13 जिलों की पानी की समस्या को देखते हुए बनाई गई थी। गहलोत सरकार ने गलत तरीके से डीपीआर बना कर पेश किया है। इस मामले में तकनीकी खामी दूर करके दोबारा प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दे तो इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करवाना उनकी गारंटी है। राज्य सरकार को संशोधित डीपीआर केंद्र को भेजनी चाहिए। राज्यसभा सांसद मीणा ने मांग की कि दौसा सहित करौली, सवाई माधोपुर, अलवर और जयपुर के सभी बड़े बांधों को इस परियोजना में शामिल किया जाए। सभा के बाद बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ मीणा और अन्य भाजपा नेताओं ने जयपुर की तरफ कूच कर दिया।

दौसा से जयपुर के बीच यातायात बाधित

दौसा से मीणा समर्थकों के जयपुर कूच करने के दौरान रास्ते में यातायात बुरी तरह से प्रभावित होगया। जटवाड़ा के पास तो जाम लगा रहा। वहीं, वाहनों की लम्बी कतारें नजर आई लोग परेशान होते दिखाई दिए।

'काले जादू' वाले पीएम मोदी के तंज़ पर अशोक गहलोत का जवाब, बोले... कांग्रेस के प्रदर्शन से घबरा गई मोदी सरकार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'काले जादू' वाले पीएम मोदी के तंज का जवाब दिया है। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस के महंगाई के खिलाफ किए गए प्रदर्शन के बाद केंद्र सरकार घबरा गई है। पीएम मोदी और अमित शाह के बयान इसी बात के संकेत है। मोदी सरकार रक्षात्मक मुद्रा में आ गई है। तब ही काले कपड़े और काले जादू की बात कर रहे हैं। आम जनता बेरोजगार और महंगाई से त्रस्त है। मोदी सरकार राहत देने के बजाय जनता की परेशानी और बढ़ा रही है। सीएम गहलोत आज विशेष विमान से दिल्ली पहुंचे और एयरपोर्ट पर मीडिया कर्मियों से बात की। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत देश के नए उप राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने सहित कई अन्य कार्यक्रमों में भी शिरकत करेंगे और पार्टी नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। पिछले दो माह में सीएम गहलोत का दिल्ली का छठा दौरा है।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर कसा था तंजः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा में 2जी एथेनॉल प्लांट का शुभारंभ करते हुए कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा है कि आज जब देश तिरंगे के रंग में रंगा हुआ है, तब निराशा और नकारात्मकता में डूबे कुछ लोग काला जादू में फंसे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अब काले जादू की तरफ मुड़ते नजर आ रहे हैं। हमने 5 अगस्त को देखा है कि कैसे काले जादू को फैलाने का प्रयास किया गया।

राष्ट्रीय राजनीति में राजस्थान का बढ़ता वर्चस्व

सुनील बंसल को नियुक्त किया भाजपा का राष्ट्रीय महासचिव

हिलव्यू समाचार

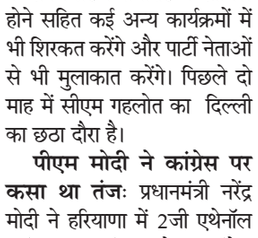

जयपुर। राजस्थान के नेताओं का केन्द्रीय राजनीति में वर्चस्व बढ़ रहा है। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई में लंबे समय से संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे सुनील बंसल को बुधवार को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया। बसंल जयपुर जिले के कोटपूतली कस्बे के रहने वाले हैं। वे लम्बे समय तक राजस्थान की छात्र राजनीति में सक्रिय रहे हैं। उनका प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के विश्वस्त नेताओं में शुमार है।

भाजपा महासचिव अरुण सिंह के हवाले से जारी इस बयान में कहा गया कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सुनील बंसल को राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है और इसके साथ ही उन्हें पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना के प्रभारी की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एबीवीपी के पूर्व राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री सुनील बंसल को वर्ष 2014 में यूपी में भाजपा का संगठन महामंत्री बनाया गया था।

तिरंगे को राखी बांध आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने किया रवाना

आजादी की 'गौरव यात्रा' पर कांग्रेस ने निकाली 'तिरंगा रैली'

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आजादी के 75 वर्ष के अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार गुरुवार को कांग्रेसियों ने राजस्थान विश्वविद्यालय से जवाहर सर्किल तक आजादी की तिरंगा रैली निकाली।

तिरंगा यात्रा के प्रभारी राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने तिरंगे को राखी बांधकर यात्रा रवाना की। यात्रा में राजस्थान सरकार के कबीना मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, एनएसयूआई राजस्थान के अध्यक्ष अभिषेक चौधरी, राष्ट्रीय सचिव विनोद जाखड़ एवं राजस्थान विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष पूजा वर्मा सहित हजारों छात्रों ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया।

यात्रा के प्रभारी राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष, राज्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता धर्मेंद्र राठौड़ ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी तिरंगे के नाम पर राजनीतिक रोटियां सेक रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी तिरंगे का प्रोपेगेंडा कर आम जनता का ध्यान भुखमरी बेरोजगारी एवं महंगाई से भटका रही है। राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एवं उनके हिंदूवादी संगठनों ने कभी तिरंगे का सम्मान नहीं किया। वे हमेशा दुरंगा एवं भगवा झंडे पर आस्था रखते हैं। आज तिरंगे के प्रति आस्था प्रकट कर अपनी मार्केटिंग कर रही है।

केंद्र पर गंदी राजनीति करने का आरोप

एनएसयूआई राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक चौधरी ने कहा कि देश का तिरंगा हमारे सब के दिलों में है और हर हिंदुस्तानी की आन-बान-शान है। उन्होंने केंद्र सरकार पर तिरंगे के नाम पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया। आज रक्षाबंधन का त्यौहार होने के बावजूद बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लेकर माहौल को राष्ट्रभक्ति मय बना दिया।

कोरोना तो कम हो नहीं रहा, अब डेंगू, फ्लू का 'अटैक'

जयपुर। प्रदेश में बरसात का मौसम शुरू होने के साथ ही मौसमी बीमारियों ने पैर पसारना शुरू कर दिया है। कोरोना के साथ साथ अब डेंगू, मलेरिया, स्वाइन फ्लू, चिकनगुनिया के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। अस्पतालों में मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। वहीं, इन सभी बीमारियों को देखते हुए चिकित्सा विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। चिकित्सा विभाग सभी बीमारियों को लेकर आमजन को जागरूक कर रहा है। साथ ही घर-घर स्क्रीनिंग कर दवाई देने और टेस्टिंग की सुविधा भी शुरू की है, लेकिन संक्रमण का खतरा कम नहीं हो रहा है।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

जयपुर
रविवार, 14 अगस्त, 2022

कोरोना, ब्लैक फंगस के बाद अब लम्पी का होगा होम्योपैथी से इलाज

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज के केस 23 जिलों में देखने को मिल रहे हैं। लम्पी स्किन डिजीज का अभी तक कोई पुख्ता इलाज नहीं होने के कारण संक्रमण से बड़ी संख्या में पशुओं की मौत हो रही है। पशुओं की स्थिति को देखते हुए पशु चिकित्सक गाइडलाइन के अनुसार लक्षणों के आधार पर ही पशुओं का इलाज कर रहे हैं। अब तक लम्पी का इलाज एलोपैथी में करते आए हैं। वहीं अब जयपुर के होम्योपैथी डॉक्टर्स ने लम्पी का इलाज होम्योपैथी से शुरू किया है। होम्योपैथी को बढ़ावा देने के लिए प्रचार-प्रसार कर रही ऊषा संस्था की ओर से यह प्रयास किया जा रहा है। अनुमति के बाद गोपाल जी गोशाला मोहनपुरा (वाटिका) में संक्रमित गायों पर संस्था के सचिव और होम्योपैथी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अजय यादव ने लक्षणों के आधार पर होम्योपैथी का ट्रायल शुरू किया है। कोरोना वायरस, ब्लैक फंगस और पोस्ट कोविड में होम्योपैथी से इलाज की सफलता के बाद संस्था की ओर से लम्पी का इलाज शुरू किया गया है। इसको लेकर संस्था के मानद सदस्य पूर्व आईएएस प्रदीप बोरड़ ने बताया कि लम्पी वायरस में होम्योपैथी काफी कारगर हो सकती है। बीमारी की वजह और इसके लक्षणों के आधार पर इलाज शुरू किया है। साथ ही पशुओं की मौत होने के कारणों पर काम किया जा रहा है। डॉ. अजय यादव ने बताया कि लम्पी वायरस की पैथोलॉजी और इसके गोवंश पर कार्य करने की कार्य प्रणाली का अध्ययन करके यह प्रयास किया है।

वायरस की गंभीरता पर रिसर्च

डॉ. अजय यादव ने बताया कि लम्पी वायरस पहले भी था, लेकिन इसका प्रभाव अब ज्यादा क्यों है। इसको लेकर पहले रिसर्च किया गया, जिसमें देखा गया कि पशुओं के चारे की पैदावार में पेस्टीसाइड और कैमिकल युक्त दवाइयों का उपयोग किया जा रहा है। इससे चारे में नाइट्रोजन की मात्रा अधिक हो रही है, जिसे खाने पर पशुओं के शरीर में नाइट्रोजन का लेवल अधिक बढ़ रहा है। इसकी वजह से पशुओं की इम्युनिटी कम हो रही है। कोरोना की तरह ही लम्पी भी एक तरह का वायरस है। पशुओं की इम्युनिटी कम होने से गंभीरता ले रहा है।

अब तक के ट्रायल का बेहतर परिणाम

संस्था के प्रदीप बोरड़ ने बताया कि रिसर्च के बाद संस्था की ओर से होम्योपैथी दवा के प्रयोग के लिए गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया से अनुरोध किया। अनुमति के बाद गोपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. तपेश माथुर के प्रयास से श्रीगोपाल जी गोशाला में संक्रमित गायों पर होम्योपैथी से उपचार का प्रयास किया। डॉ. यादव ने बताया कि इससे पहले आस-पास की संक्रमित गायों का उपचार होम्योपैथी द्वारा किया गया। इसका अच्छा परिणाम मिला।

एक नज़र

रेप के बाद पीड़िताओं की हत्या के मामलों को लेकर गहलोत ने जताई थी चिंता

विरोधी हमलावर हुए तो सीएमओ ने दी सफाई

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के रेप के आरोपियों को फांसी का कानून लागू होने के बाद देशभर में रेप के बाद हत्या की घटनाएं बढ़ने वाले बयान के बाद राजनीतिक विरोधियों के हमले हो रहे हैं। इस मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय ने सफाई दी है। सीएम गहलोत के इस बयान पर विवाद बढ़ने के बाद उनके ओएसडी लोकेश शर्मा ने सफाई दी है। शर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि सुनिए और समझें, देशभर में रेप के बाद पीड़िता की हत्या के बढ़े चलन को लेकर सीएम ने चिंता व्यक्त करते हुए जिस रूप में अपनी बात रखी, उसे अकारण ही विवाद का विषय बनाया जा रहा है। उन्होंने इसे एक खतरनाक ट्रेंड बताया, जो कि सभी के लिए चिंता की बात है। इससे पहले इस मसले पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा था कि सीएम गहलोत बलात्कारियों के मनोवैज्ञानिक बन रहे हैं, जबकि उन्हें कानून-व्यवस्था और महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों को रोकने के लिए प्रयास करने चाहिए।

ये था मुख्यमंत्री गहलोत का बयान

गौरतलब है कि महंगाई को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान शुक्रवार को दिल्ली में मुख्यमंत्री ने कहा था कि निर्भया कांड के बाद आरोपियों को फांसी देने की मांग जोर पकड़ी और उसके बाद कानून लागू हुआ। तब से लेकर अब तक रेप के बाद महिलाओं की हत्या के मामलों में इजाफा हुआ है। सीएम गहलोत ने कहा था कि बलात्कारी को लगता है कि पीड़िता आरोपी के खिलाफ गवाह बनेगी। ऐसे में आरोपी को पीड़िता की हत्या करना सही लगता है। देशभर से जो खबरें आ रही हैं, वे बेहद खतरनाक प्रवृत्ति को दर्शाती हैं। देश के लिए अच्छा नहीं है।

पशुओं में फैल रही जानलेवा बीमारी पर जल्द काबू पाने के किए जा रहे प्रयास

केन्द्रीय पशुपालन मंत्री ने सहयोग का दिया आश्वासन: गहलोत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार पशुओं में फैल रहे लम्पी स्किन रोग पर जल्द नियंत्रण पाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में केन्द्रीय पशुपालन मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला से मुलाकात कर पशुओं में फैल रहे लम्पी रोग पर चर्चा की। रूपाला ने आश्वासन दिया कि केन्द्र सरकार लम्पी से निपटने में राज्य सरकार का पूरा सहयोग करेगी।

गहलोत गुरुवार शाम विशेष विमान से जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां पत्रकारों से उन्होंने कहा कि रूपाला ने कुछ दिन पूर्व जयपुर में लंलम्पी चर्म रोग को लेकर एक बैठक भी की थी। प्रदेश के कई जिलों के पशुओं में लम्पी स्किन रोग का संक्रमण तेजी से फैला है, लेकिन राज्य सरकार दवाइयों, चिकित्सकों, एंबुलेंस सहित अन्य आवश्यकताओं के लिए धन की कमी नहीं आने दे रही है। मुख्य सचिव परिस्थितियों की लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैं व सभी जिला कलेक्टर्स के साथ लगातार बैठकों का दौर भी जारी है। गोवंश का संरक्षण और संवर्धन राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकार ने गोशालाओं के लिए अनुदान की अवधि 6 से बढ़ाकर 9 माह कर दी है। गोपालन विभाग बनाकर गोवंश संवर्धन के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से हम इस संक्रमण से जल्द निजात पा सकेंगे।

गहलोत के जोधपुर एयरपोर्ट आगमन पर रक्षाबंधन का उल्लास पसर गया। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को रक्षाबंधन की बधाई दी। वहां मौजूद कुछ महिलाओं ने मुख्यमंत्री की कलाई पर राखियां बांधी और खुशी जाहिर की। गहलोत ने राखी बंधवाते हुए सभी बहनों को आरोग्य तथा सुख-समृद्धि के लिए स्नेह भरा आशीर्वाद दिया और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

बहन से बंधवाई राखी

गहलोत बड़ी बहन विमला देवी के लालसागर स्थित आवास पर पहुंचे तथा राखी बंधवाई और पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनके भांजे जसवन्तसिंह कच्छवाहा सहित परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

मेहरानगढ़ हादसे के पीड़ित परिवारों के सर्वे के कलेक्टर को निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेहरानगढ़ दुखांतिका में मारे गए 216 लोगों के परिजनों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए जोधपुर जिला कलेक्टर को निर्देश दे दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के धार्मिक स्थल पूरे देश में आस्था के केंद्र है। यहां के धार्मिक स्थलों में सालाना उत्सव, मेलों के अलावा भी हर माह लाखों की संख्या में राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। गहलोत ने कहा कि ऐसे धार्मिक क्षेत्रों व मेलों में सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही धार्मिक ट्रस्ट के पदाधिकारियों और धर्मगुरुओं के साथ बैठकें आयोजित कर सभी व्यवस्थाओं पर चर्चा भी की जाएगी, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके।

उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण में शामिल हुए भारद्वाज

हिलव्यू समाचार

जयपुर। विधानसभा चुनाव में सांगानेर से प्रत्याशी रहे कांग्रेस नेता पुष्पेन्द्र भारद्वाज गुरुवार को नई-दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। समारोह में चित्तौड़ सैनिक स्कूल के कई पूर्व छात्रों के साथ पुष्पेन्द्र भारद्वाज पहुंचे थे। धनखड़ भी चित्तौड़गढ़ के सैनिक स्कूल में पढ़ हुए हैं। उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में स्कूल के कई पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया था। भारद्वाज ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी मुलाकात की।

डीजीपी ने किया जयपुर पुलिस का नया लोगो जारी

जयपुर। पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय में जयपुर पुलिस के नए प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण किया। लाठर ने जयपुर पुलिस को नए लोगो की बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि जयपुर पुलिस अपनी गौरवशाली परंपराओं को निरंतर आगे बढ़ाकर आमजन का विश्वास अर्जित करने के साथ ही अपराधों पर रोकथाम की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करती रहेगी। लाठर ने जयपुर पुलिस आयुक्त आनंद श्रीवास्तव को नया लोगो लगाकर जयपुर पुलिस के नए लोगो का शुभारंभ किया।

आरटीडीसी जयपुर में करेगी शराब की दुकानों का संचालन

जयपुर। राजस्थान पर्यटन विकास निगम की ओर से जयपुर में शहर में शराब की दुकानों का संचालन किया जाएगा। इस संबंध में आबकारी विभाग ने बुधवार को एक आदेश जारी कर दुकानों का आवंटन किया है। आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने बताया कि आबकारी एवं मद्य नीति 2022-23 एवं 2023-24 के तहत राजस्थान पर्यटन विकास निगम को आबकारी विभाग की ओर से जयपुर शहर के विभिन्न वार्डों में शराब की दुकानों का आवंटन किया गया है। इसमें हैरिटेज नगर निगम जयपुर में वार्ड 109 और 113, वार्ड 110 और 139 में दुकानों का आवंटन किया है। ग्रेटर नगर निगम में वार्ड 67, वार्ड 68 से 70, वार्ड 96 से 98 और वार्ड 93 से 95 में शराब दुकानों का आवंटन किया गया।

तस्करी पर नकेल: कंटेनर ट्रक में विशाखापट्टनम से लाया जा रहा था राजस्थान

नागपुर डीआरआई ने पकड़ा 40 लाख का गांजा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान पुलिस के अपराध जांच विभाग के विशेष दल की सूचना पर महाराष्ट्र में नागपुर जिले के करधा क्षेत्र में एक खड़े कंटेनर ट्रक से 218 किलो अवैध गांजा बरामद किया गया है। विशाखापट्टनम से तस्करी कर राजस्थान लाए जा रहे इस गांजे

की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 40 लाख है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि विशाखापट्टनम से राजस्थान में अवैध गांजा लाए जाने की सूचना पर सीआईडी क्राइम ब्रांच स्पेशल यूनिट की विशेष टीम गठित कर अजमेर-चित्तौड़गढ़ की ओर रवाना की गई। टीम को 8 अगस्त को विशाखापट्टनम से अजमेर जिले में भारी मात्रा में गांजा तस्करी किए जाने की जानकारी मिली थी।

चालक-परिचालक हो गए मौके से फरार

सीआईडी की सूचना पर बुधवार रात डीआरआई, नागपुर इकाई की टीम ने करधा क्षेत्र में एक ढाबे के पास खड़े लावारिस ट्रक कंटेनर की तलाशी ली तो प्रारंभ में कंटेनर खाली मिला। इस पर सीआईडी की टीम ने ट्रक में गुप्त स्थान बने होने की सूचना दी। विशेषज्ञ को बुलाकर दोबारा तलाशी लेने पर कंटेनर में बनाए गए गुप्त स्थान से 218 किलो गांजा बरामद किया गया। कंटेनर को जब्त कर डीआरआई द्वारा शिवराज महावर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। कंटेनर ट्रक का चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए।

विदेश यात्रा पर गए जलदाय मंत्री ने कहा...

डेनमार्क की जल प्रबंधन तकनीक का लाभ राजस्थान को मिलेगा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री महेश जोशी के नेतृत्व में डेनमार्क गए प्रतिनिधि मण्डल ने वहां आरहूस नदी जल परियोजना व मॉरसेलिस बॅर्न वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का अवलोकन किया। प्रतिनिधि मण्डल ने प्लांट से एनर्जी प्रोडक्शन की प्रक्रिया भी देखी। जोशी ने कहा कि आरहूस नदी जल परियोजना वाटर मेनेजमेंट सिस्टम का एक बेहतरीन उदाहरण है। डेनमार्क में जोशी एवं उनके साथ गए अधिकारियों के स्वागत में भारतीय दूतावास की तरफ से हुए कार्यक्रम में जलदाय मंत्री ने कहा कि पानी की बचत ही पानी का उत्पादन है। इसलिए हमें जल संरक्षण की दिशा में लोगों को जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि डेनमार्क के दौरे में यहां के पेयजल प्रबंधन एवं वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट में अपनाई जा रही तकनीक के बारे में जानने का अवसर मिला, उन्होंने उम्मीद जताई कि इन तकनीकों का लाभ राजस्थान को मिलेगा।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने राजस्थान सरकार की मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, निशुल्क दवा योजना, पेयजल प्रबंधन एवं जल संरक्षण की दिशा में उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में प्रदेश में निवेश के अनूकूल माहौल बना है। राजस्थान निवेश हब बनने जा रहा है। उन्होंने डेनमार्क के निवेशकों को भी राजस्थान में निवेश के लिये आमंत्रित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी सुबोध अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव जल संसाधन आनंद कुमार, डेनमार्क में भारतीय राजदूत पूजा कपूर एवं प्रतिनिधि मंडल में शामिल अन्य अधिकारी मौजूद थे

निशुल्क काउंटर के जैसे ही लाइफ लाइन पर भी मिल सकेंगी मुफ्त दवाएं

हिलव्यू समाचार

जयपुर। दवाओं की कमी से जूझ रहे प्रदेश के सबसे बड़े सवाई मानसिंह अस्पताल में अब खरीद से लेकर वितरण तक की व्यवस्था सेंट्रलाइज की जाएगी। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज प्रशासन को इसके लिए निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा शुरू की गई निशुल्क इलाज योजना के बाद अस्पताल प्रशासन की समस्याएं बढ़ गई हैं। अस्पताल में आरएमएससीएल द्वारा दवाओं की समय पर आपूर्ति नहीं करने, समय पर खरीद नहीं होने और बजट जैसी कई समस्याएं हो रही थी। इन समस्याओं को दूर करने के लिए एसएमएस अस्पताल प्रशासन दवाओं की खरीद और आपूर्ति सिस्टम सेंट्रलाइज कर रहा है। इसके बाद अस्पताल में 6 हजार तरह की दवाइयां हर वक्त उपलब्ध रहेगी। वहीं अस्पताल में मरीजों को बिना किसी समस्या के दवा मिले, इसके लिए भी अस्पताल प्रशासन ने तैयारी कर ली है।

दवाओं की उपलब्धता की लम्बी प्रक्रिया, मरीज होते हैं परेशान

एसएमएस अस्पताल में दवाइयों की सप्लाई डिमांड के अनुसार होती है। अस्पताल प्रशासन दवाइयों की डिमांड अस्पताल के वेयर हाउस भेजता है। वेयर हाउस में अनुपलब्ध दवाइयों की डिमांड आरएमएससीएल भेजी जाती है। आरएमएससीएल उपलब्ध दवाइयों की सप्लाई करता है और अनुपलब्ध दवाइयों की एनओसी भेज देता है। वह सूची मेडिकल कॉलेज में बने वेयर हाउस जाती है। वहां नहीं होने पर अस्पताल प्रशासन दवा खरीदने के लिए तैयार होता है। सेंट्रल मेडिकल स्टोर भी बाजार से सीधे दवाइयां नहीं खरीद सकता। इसके लिए पहले प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र से खरीदने के लिए डिमांड भेजी जाती है। यहां पर भी उपलब्ध नहीं होने पर रेट लिस्ट जारी कर बाजार से खरीदी जाती है। इस पूरी प्रक्रिया में 15 से 20 दिन लगते हैं।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

जयपुर
रविवार, 14 अगस्त, 2022

80 साल से अधिक उम्र के 125 लोगों पर अध्ययन

साइकिल चलाओ, इम्यूनिटी बढ़ाओ

कोरोना संक्रमण के दौर में इम्यूनिटी लगातार चर्चा में है. शरीर में जब कोई बैक्टीरिया या वायरस आता है तो इम्युनिटी उससे लड़ती है. अच्छी बात यह है कि आप अपनी इम्यूनिटी को बेहतर बना सकते हैं. आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ इम्युनिटी घटती है, लेकिन लंदन के किंग्स कॉलेज में 80 साल से अधिक उम्र के 125 साइकिलिस्ट पर हुई रिसर्च बताती है कि इस उम्र में भी रेग्युलर एक्सरसाइज से इम्युनिटी को 20 साल के युवा जैसा रखा जा सकता है.

सीनियर हेल्थ

जन्मजात और वैक्सीन वाली

इम्यूनिटी वह क्षमता है जो शरीर के अंदर और बाहर पाए जाने वाले हानिकारक तत्वों और सूक्ष्मजीवों को पहचानने और उन्हें खत्म करने की पावर शरीर को देती है. इम्यून सिस्टम शरीर में एंटीबॉडी और खास प्रकार के टी-सेल्स का निर्माण करता है. इसमें शरीर के अलग-अलग अंग जैसे- थायमस, स्प्लीन, लिम्फनो * और बोनमेरो मिलकर काम करते हैं. इम्यूनिटी 2 प्रकार की होती है. पहली है, नेचुरल इम्यूनिटी. यह जन्मजात होती है. हर स्थिति में एक तरीके से काम करती है. दूसरी है, एडॉप्टिव. यह किसी खास बैक्टीरिया या वायरस को खत्म करने के लिए होती है. वैक्सीन लगवाने के बाद इस तरह की इम्यूनिटी पैदा होती है.

ज़्यादा चीनी, कम नींद

सोते समय इम्यून सिस्टम साइटोकाइन नाम का प्रोटीन रिलीज करता है. कम नींद लेने से साइटोकाइन का बनना प्रभावित होता है. एक्सरसाइज से एंटीबॉडी और व्हाइट ब्लड सेल्स में बदलाव होते हैं. व्हाइट ब्लड सेल्स बीमारियों से लड़ने का काम करती है. ये बीमारी को आसानी से पकड़ सकती हैं. बीमारी का खतरा भी कम होता है. कम नींद, अधिक एंग्जाइटी और तनाव, डाइट में अधिक चर्बी और शुगर वाला फूड, धूम्रपान और कुछ दवाइयां जैसे कि स्टेरॉयड इम्यूनिटी को कमजोर कर सकते हैं.

संक्रमण के गंभीर लक्षण

कमजोर इम्यूनिटी का सीधा मतलब कि इंसान को वायरस और बैक्टीरिया से बचाव के लिए शरीर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी. वह आसानी से बीमार पड़ेगा और ठीक होने में अधिक समय लगेगा. मजबूत इम्यूनिटी वाले लोगों की तुलना में इनमें संक्रमण के गंभीर लक्षण दिखाई पड़ते हैं. कई ऐसी बीमारियां हैं जिनके चलते इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है. ऐसे इंसानों में दूसरी बीमारियों का खतरा सबसे ज्यादा होता है.

मौसम का नहीं होता असर

इम्यूनिटी शरीर के अंदर होती है. इस पर बाहरी फैक्टर्स जैसे कि मौसम में बदलाव आदि का असर नहीं होता है. हालांकि, मौसम किसी भी इंसान की सेहत पर असर डाल सकता है. जैसे सर्दियों में कम तापमान में कुछ वायरस आसानी से फैलते हैं. साथ ही सर्दियों में लोग एक-दूसरे के काफी नजदीक रहते हैं, जिससे इन वायरस के फैलने का खतरा और बढ़ जाता है.

निवेश जोन

वरिष्ठ नागरिक फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम्स में सबसे ज्यादा निवेश करते हैं. इसमें उनके लिए नियमित अंतराल पर पे-आउट का भी विकल्प मिलता है. रिटायरमेंट के बाद एफडी में निवेश करने का मतलब है कि न केवल आपको अच्छा रिटर्न मिलेगा, बल्कि यह सबसे सुरक्षित और आसान तरीका भी है. वरिष्ठ नागरिकों को इसमें रेगुलर इनकम की भी सुविधा मिलती है. लेकिन पिछले डेढ़ साल से भी ज्यादा समय से ब्याज दरें कम हैं. ऐसे में महंगाई की तुलना में एफडी से मिलने वाला रिटर्न और टैक्स का भी ध्यान रखना चाहिए.

फिक्स्ड डिपॉजिट पर ज्यादा निवेश करते हैं वरिष्ठ नागरिक

ब्याज दर

इंडसइंड बैंक में वरिष्ठ नागरिकों को एफडी पर सबसे ज्यादा ब्याज मिल रहा है. सभी लिस्टेड पब्लिक और प्राइवेट बैंकों की बात करें तो 3 साल के टर्म डिपॉजिट पर वरिष्ठ नागरिकों को 7 फीसदी की दर से ब्याज मिल रहा है. दूसरे नंबर पर बंधन बैंक है जो एफडी पर अधिकतम 6 फीसदी की दर से ब्याज दे रहा है. एक्सिस बैंक और भारतीय स्टेट बैंक क्रमशः 5.90 फीसदी और 5.80 फीसदी की दर से ब्याज दे रहे हैं.

महंगाई दर का भी ध्यान रखें

पिछले कुछ महीने से महंगाई दर करीब 6 फीसदी के आसपास नजर आ रही है. ऐसे में असल मायने में आपको उचित रिटर्न पाने के लिए एक ऐसे एफडी विकल्प को चुनना चाहिए, जहां कम से कम 6 फीसदी से ज्यादा दर पर ब्याज मिल रहा हो. ऐसी स्थिति में कुछ जानकार तो यह भी सलाह दे रहे हैं कि वरिष्ठ नागरिकों को फिक्स्ड डिपॉजिट या किसी पोस्टल स्कीम्स में अधिकतर रकम डालनी चाहिए. वहीं, कुछ हिस्सा इक्विटी या हाइब्रिड फंड्स में भी निवेश करना चाहिए ताकि उन्हें ठीकठाक रिटर्न मिल जाए.

टैक्स का नियम

फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाला ब्याज भी टैक्स के दायरे में आता है. अगर वरिष्ठ नागरिकों को एफडी पर एक साल में 50,000 रुपये से ज्यादा ब्याज मिल रहा है तो इस पर बैंक की ओर से 10 फीसदी के हिसाब से टीडीएस काटा जाएगा. अगर एक साल में आपकी कुल इनकम 5 लाख रुपये से कम है तो आपको टैक्स नहीं देना होगा. वित्त वर्ष की शुरुआत में ही आप फॉर्म H जमा कर टीडीएस कटौती से बच सकते हैं. अगर टीडीएस कट भी गया है तो आप इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर दें, ताकि आपको रिफंड मिल जाए. यह भी ध्यान रखें कि अगर पिछले 2 साल में आईटीआर नहीं फाइल किया है तो इस साल से डबल टीडीएस कटेगा.

सीनियर STAR

चंकी सनग्लासेज में प्रीति जिंटा

स्लो-मोशन वीडियो में ख़ूबसूरती का जादू

46 साल की सीनियर एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने पिछले कुछ वक्त से फिल्मों से काफी दूरियां बना ली हैं. हालांकि, फैंस को उनकी कमी कभी महसूस ही नहीं हो पाई. इसका एक मुख्य कारण यह है कि वह हमेशा ही सोशल मीडिया के जरिए अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रही हैं. प्रीति जिंटा इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं. एक्ट्रेस अक्सर फैंस के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं. अब प्रीति ने इंस्टाग्राम पर एक स्लो-मोशन वीडियो शेयर किया है. इस क्लिप में वह चंकी सनग्लासेज और फ्लोरल ट्यूब टॉप पहने हुए नजर आ रही हैं. हर बार की तरह प्रीति यहां भी बहुत खूबसूरत दिख रही हैं. वीडियो में स्लो-मोशन में उनके बाल उड़ते दिख रहे हैं. इसे पोस्ट करते हुए प्रीति ने इसके साथ कैप्शन में लिखा, 'कभी-कभी आपको चीजें स्लो मोशन में करनी पड़ती हैं, मतलब (स्लो मोशन मेन). हैशटैग वेकेशन, हैशटैग टिंग.' प्रीति को पिछली बार पर्दे पर 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'भैयाजी सुपरहिट' में देखा गया था. इस फिल्म से उन्होंने 7 साल के ब्रेक के बाद पर्दे पर वापसी की थी.

अब तक 2000 गड्ढे भरे

सीनियर WONDER

सड़कों के डॉक्टर सीनियर कपल

40 लाख हुए खर्च

हैदराबाद का एक कपल इन दिनों सड़कों के गड्ढे भरने को लेकर चर्चा में है. वह पिछले 11 वर्षों से यह नेक काम कर रहा है. गंगाधर तिलक कटनाम रिटायर्ड रेलवे इंजीनियर हैं, जिनकी उम्र 73 साल है. वहीं उनकी पत्नी का नाम वेंकटेश्वरी कटनाम है, जिनकी उम्र 64 साल है. इन्हें हैदराबाद की सड़कों पर जगह-जगह सड़कों के गड्ढे भरते हुए देखा जाता है. गंगाधर इस काम में अपनी हर महीने की पेंशन का पैसा भी खर्च करते हैं. वे अब तक 40 लाख खर्च कर 2000 गड्ढे भर चुके हैं. गंगाधर के अनुसार, उन्होंने ये काम रेलवे से रिटायर होने के बाद शुरू किया. उन्होंने इस मुद्दे पर संबंधित अधिकारियों से बात भी की लेकिन जब कुछ नहीं हुआ तो खुद अपनी पत्नी के साथ इसे करने लगे. उनके काम को देखते हुए लोग उन्हें सड़कों का डॉक्टर कहते हैं. इस काम को करने से पहले गंगाधर ने 35 साल तक रेलवे में नौकरी की. उसके बाद वे इंजीनियर के तौर पर एक सॉफ्टेवयर कंपनी में काम करने लगे. इस कपल ने मिलकर एक संस्था की स्थापना भी की, जिसे श्रमदान नाम दिया. यहां आकर कोई भी व्यक्ति सड़कों के गड्ढे भरने के लिए राशि दान कर सकता है.

महिलाओं को सावधानी जरूरी

बढ़ती उम्र में हड्डियों को दीजिए पॉवर

बढ़ती उम्र में महिलाओं में सोचने-समझने की क्षमता घटने की एक खास वजह वैज्ञानिकों ने बताई है. वैज्ञानिकों का कहना है, हड्डियों को होने वाले नुकसान और फ्रैक्चर के बढ़ते खतरे के कारण ऐसा हो सकता है. गारवां इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च की स्टडी कहती है, 65 साल और इससे अधिक उम्र के लोगों में सोचने-समझने की क्षमता घटना और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ना, दो बड़ी समस्या है. ये दोनों ही साइलेंट डिजीज हैं, यानी ये शरीर को इतने धीरे-धीरे जकड़ती है कि इंसान को पता नहीं चल पाता.

सेहत जांचना जरूरी

16 साल तक चली रिसर्च कहती है कि बुजुर्गों में सोचने-समझने की क्षमता घटना और फ्रैक्चर होने का खतरा लम्बे समय तक बना रहता है. इसे समझ न पाने के कारण लोग इसका इलाज भी नहीं करा पाते. शोधकर्ता जैकलीन सेंटर के मुताबिक, बढ़ती उम्र में हड्डियों की सेहत से इंसान की सोचने-समझने की क्षमता को मॉनिटर किया जा सकता है. इसलिए जरूरी है कि उम्र के इस पड़ाव पर हड्डियों से जुड़ी जांच कराएं और समय पर इसका इलाज लें. शोधकर्ता डॉ. डाना ब्यूइक कहते हैं, सोचने-समझने की क्षमता गिरने और हड्डियों को हो रहे नुकसान का सीधा असर इंसान के चलने-फिरने पर पड़ता है. इससे मौत का खतरा बढ़ता है. रिसर्च में यह भी पता चला है कि याद्दाश्त की समस्या यानी डिमेंशिया से जूझने वाले बुजुर्गों में हिप फ्रैक्चर का खतरा बढ़ता है. यह पहली ऐसी स्टडी है जिसमें बुजुर्गों की सोचने-समझने की क्षमता और हड्डियों की सेहत के बीच कनेक्शन पाया गया है. इसका असर लम्बे तक होता है.

सीनियर ALERT

कैल्शियम और विटामिन-डी

रोजाना अपनी डाइट में कम फैट वाले डेयरी प्रोडक्ट जैसे- टोफू, सोया मिल्क ले सकते हैं. इसके अलावा हरी पत्तेदार सब्जियां, बादाम और फलियां जरूर शामिल करें.

सुबह की धूप

हफ्ते में 2 से 3 बार सुबह की पहली धूप में 10 से 15 तक बैठें. इससे शरीर में विटामिन-डी की पूर्ति होती है. शरीर में कैल्शियम एब्जॉर्ब हो सके, इसके लिए भी विटामिन-डी होना जरूरी है.

एक्सरसाइज

रोजाना 30 मिनट तक हल्की-फुल्की एक्सरसाइज भी करें. ये हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाती है. अपने रूटीन में योग, वॉक और बॉडी मूवमेंट को शामिल कर सकते हैं.

ज्ञानकथा

प्रतिस्पर्धा

एक बार विष्णुजी विश्राम कर रहे थे, उस समय ब्रम्हाजी उनके पास पहुंचे. विष्णुजी को सोता हुआ देखकर ब्रम्हाजी को लगा कि ये मेरा अपमान है. ब्रम्हाजी गुस्सा हो गए और उन्होंने विष्णुजी को भला-बुरा कहना शुरू कर दिया. विष्णुजी ने भी जवाब दिया. हम दोनों में कौन श्रेष्ठ है, इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बहुत बढ़ गया. झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों ने अपने-अपने शस्त्र निकाल लिए और युद्ध के हालात बन गए. युद्ध आरंभ हुआ, दोनों ओर से ऐसे-ऐसे शस्त्र चलाए जा रहे थे कि अगर युद्ध चलता रहा तो ब्रम्हांड समाप्त हो जाएगा, ये सोचकर सभी देवता शिवजी के पास पहुंचे और कहा, 'इस युद्ध को खत्म कराएं.' शिवजी एक अग्नि स्तंभ के रूप में ब्रम्हा और विष्णु के बीच प्रकट हुए. अग्नि स्तंभ को देखकर दोनों ने युद्ध रोक दिया और सोचने लगे कि इसकी महिमा जानी जाए तो तय हो जाएगा कि कौन श्रेष्ठ है. विष्णुजी ने शूकर यानी सूअर का शरीर लेकर उस अग्नि स्तंभ में नीचे से प्रवेश किया. ब्रम्हाजी हंस रूप लेकर ऊपर से प्रवेश कर गए. दोनों उस अग्नि स्तंभ में घूमते रहे, लेकिन उन्हें स्तंभ का ओर-छोर मालूम नहीं चला, उसकी महिमा नहीं जान पाए. स्तंभ के अंदर ब्रम्हाजी को केतकी नाम का एक फूल मिल गया. विष्णु जी स्तंभ से बाहर आ चुके थे. ब्रम्हा जी ने सोचा कि विष्णु हार गए हैं, पता नहीं लगा पाए, पता तो मैं भी नहीं लगा पाया हूं. ब्रम्हाजी ने केतकी पुष्प से कहा, 'जब हम बाहर निकलेंगे तो तुम मेरी ओर से ये सूचना देना कि मुझे इसका रहस्य मालूम हो गया.' स्तंभ से बाहर निकलकर केतकी ने ऐसा ही किया. उसी समय शिवजी वहां प्रकट हुए और उन्होंने ब्रम्हा से कहा, 'अपने आप को श्रेष्ठ साबित करने के लिए आपने झूठ का सहारा लिया है, अब आपकी कहीं पूजा नहीं होगी. विष्णु आप हर जगह पूजे जाएंगे, क्योंकि आपने सच का साथ दिया है.'

सीख – प्रतिस्पर्धा होना अच्छी बात है, लेकिन दूसरों को हराने के लिए गलत रास्ते का या झूठ का सहारा नहीं लेना चाहिए. झूठ एक दिन बुरे परिणाम देता ही है.

एक्टिव बनाती चहलकदमी

बुजुर्गों पर हुई नई रिसर्च अलर्ट करने वाली है. रिसर्च के मुताबिक, शरीर को एक्टिव रखने के लिए हैवी एक्सरसाइज या लम्बी दूरी की वॉक जरूरी नहीं. गार्डनिंग, शॉपिंग और चहलकदमी भी बुजुर्गों को एक्टिव रखने में मदद करती है. यह दावा कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया है. शोधकर्ताओं का कहना है, 65 साल की उम्र में हर 5 में से एक बुजुर्ग को चहलकदमी करने और सीढ़ी चढ़ने में दिक्कत होती है. उम्र के इस पड़ाव पर पहुंचने से पहले अगर आप रूटीन में पैदल शॉपिंग, गार्डनिंग और वॉकिंग जैसी एक्टिविटी शामिल करते हैं तो भविष्य में ऐसे खतरे घटाए जा सकते हैं.

63 पार 5,735 सीनियर्स पर शोध

रिसर्च में 63 साल और इससे अधिक उम्र के 5,735 सीनियर्स को शामिल किया गया है. रिपोर्ट में सामने आया कि इन सीनियर्स ने औसतन 4.8 घंटे फिजिकल एक्टिविटी की. इनमें भविष्य में चलने-फिरने में दिक्कत होने का खतरा 46 फीसदी कम रहा.

मोटापा कंट्रोल करना भी एक विकल्प

वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर बुजुर्ग अपने वजन को कंट्रोल करते हैं तो इन्हें चलने-फिरने में दिक्कत होने का खतरा घट जाता है. जिन बुजुर्गों का बॉडी मास इंडेक्स 30 से कम रहा, उन्हें सीढ़िया चढ़ने-उतरने में दिक्कतें नहीं आईं.

मानसिक कमजोरी से धीमी हो रही चाल का कनेक्शन

बुजुर्गों पर हुई एक अन्य रिसर्च कहती है, आपकी चाल धीमी होती जा रही है तो यह मानसिक कमजोरी का संकेत हो सकता है. सैन एंटोनिओ लॉन्गिट्यूडनल स्टडी ऑफ एजिंग (SALSA) के एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने 370 लोगों के चलने की गति और उनके मस्तिष्क के बीच कनेक्शन निकाला. शोधकर्ताओं ने 10 साल तक रिसर्च की. रिपोर्ट में सामने आया कि जिन लोगों की चलने की गति धीमी पाई गई, उनके मानसिक स्वास्थ्य का स्कोर कम था.

मानसून ट्रैवलिंग पर मां-बेटी

सीनियर जज्बा

जब वेडिंग एनिवर्सरी पर केरल के मधुसूदन ने अपनी पत्नी अनीशा को बुलेट बाइक गिफ्ट की तो उसने सबसे पहले इस बाइक से कश्मीर की ट्रिप प्लान की. इस बाइक ट्रिप पर उनकी बेटी मधुरिमा भी साथ चली. केरल के मनियारा की अनीशा एक स्कूल टीचर हैं और मधुरिमा सेकंड ईयर ग्रेजुएट हैं. अनीशा को यह बाइक पिछले साल मिली थी. तभी उन्होंने अपनी बेटी के साथ मैसूर जाने की योजना बनाई. उन्हीं दिनों वे कश्मीर भी जाना चाहती थीं लेकिन महामारी के चलते उनकी योजना अधूरी रह गई. अपने ट्रिप की शुरुआत इस मां-बेटी की जोड़ी ने 14 जुलाई से की. हर दिन इन दोनों ने 250-300 किमी की दूरी तय की.

सही योजना

अनीशा सोलो ट्रिप करने वाली महिलाओं से ये कहना चाहती हैं कि सही योजना के साथ अपने सफर को तय करना आपके लिए आसान हो सकता है. साथ ही यह भी जरूरी है कि अपने सफर से जुड़े हर रास्ते या स्टे के बारे में सोशल मीडिया पर कोई जानकारी शेयर न करें. ऐसा करना उस वक्त आपके लिए ज्यादा जरूरी है जब आप अकेले यात्रा कर रही हैं. बेहतर यही होगा कि अपने ट्रिप को पूरा करने के एक हफ्ते बाद सोशल मीडिया पर जानकारी दी जाए.

स्थान का चुनाव

साथ ही यह भी कहा कि आप जिस जगह रुक रही हैं, उस स्थान का चुनाव सावधानी के साथ करें और हर डेस्टिनेशन पर सूरज ढलने के पहले पहुंच जाएं. इस तरह अगर आपको होटल या रुकने की अन्य जगह जैसे कॉटेज पसंद न भी आए तो आप रात होने से पहले इसे बदल सकती हैं. महिला होने के नाते अपनी सुरक्षा के हथियार जैसे पेपर स्प्रे हमेशा साथ रखें, ताकि मुश्किल वक्त का सामना करना आपके लिए आसान हो जाए.

बोधकथा

शांति

चीन के मशहूर दार्शनिक कन्फ्यूशियस के पास एक बहुत समझदार व्यक्ति पहुंचा. उसने कहा, 'मैं हर काम बहुत सावधानी से करता हूं. मेरा स्वास्थ्य भी ठीक रहता है. मुझे सफलता भी मिल जाती है, लेकिन अशांत बहुत रहता हूं. आपके पास शांति की तलाश में आया हूं.' उस समय चीन में अलग-अलग राज्य बन चुके थे. एक-दूसरे पर लोग आक्रमण करते थे. कन्फ्यूशियस बहुत समझदार व्यक्ति थे तो लोग उनके पास अपनी समस्याएं लेकर आते थे. कन्फ्यूशियस ने उस व्यक्ति से कहा, 'एक बात बताओ, तुम देखते-सुनते कैसे हो, स्वाद कैसे लेते हो?' व्यक्ति ने कहा, 'मैं आंखों से देखता हूं, कानों से सुनता हूं और जीभ से स्वाद लेता हूं.' कन्फ्यूशियस ने कहा, 'तुम जितना आंखों से देखते हो, उससे कहीं ज्यादा मन से देखते हो, तुम्हारा मन कानों से ज्यादा सुनता है, तुम्हें लगता है कि जीभ स्वाद ले रही है, लेकिन असली स्वाद तो मन ले रहा होता है. जब तक ये तीनों काम मन कर रहा हो, दुनिया में कोई शांत नहीं हो सकता है. सबसे पहले मन को नियंत्रित करना चाहिए. केवल आंखों से देखें, जीभ को ही स्वाद लेने दो, कानों को ही सुनने दो, मन को इन कामों से अलग रखो.'

सीख – हमें लगता है कि हमारे शरीर के बाहरी अंग काम कर रहे हैं, लेकिन इन अंगों से ज्यादा हमारा मन काम करता है. जिसका मन व्यर्थ कामों में भटकता है, उन्हें शांति नहीं मिलती है. मन बहुत ज्यादा सक्रिय होगा तो हम अशांत ही रहेंगे. मन को काबू करें और व्यर्थ कामों से अलग रखेंगे तो शांति जरूर मिलेगी.

डांस वीडियो वायरल

सोशल ट्रेंड

इंस्टाग्राम पर बुजुर्गों का एक डांस वीडियो शेयर किया गया है जो वायरल हो रहा है. इस वीडियो को तकरीबन 10,000 से ज्यादा लोग पसंद कर चुके हैं. वहीं, इस मजेदार वीडियो पर यूजर्स काफी चटकदार रिएक्शन भी दे रहे हैं. वीडियो में देख सकते हैं किस तरह सड़क पर कुछ बुजुर्ग मजेदार अंदाज में ठुमके लगा रहे हैं. ये बुजुर्ग ऐसे-ऐसे स्टेप कर रहे हैं, जिसे देखकर अच्छे-अच्छों की हालत खराब हो गई. सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर इस वीडियो को शेयर किया जा रहा है.

CMYK

कविता

कलम मेरी चल जाती है...

खाकी वर्दी देख कलम मेरी चल जाती है
कर्तव्य के प्रति सजग ,
अपने लिए नहीं वक्त,
सुरक्षा के लिए तत्पर,
ड्यूटी पर नींद कुर्बान
देख कलम मेरी चल जाती है।
सब कुछ सह कर ही,
बस बलिदान देना सीखा है,
मानवता की रक्षा करने वाले,
सुरक्षा का अहसास कराते देख
कलम मेरी चल जाती है।
शीतल भरी चांदनी रात हो,
भीषण गर्मी या वर्षा का झंझावात,
रुकते नहीं कभी इनके कदम
इनके जोश व जज्बे को देख,
मेरी कलम नहीं रुक पाती है।
हम बैठे रहते एसी -कूलर में,
यह बंदूक तानते रहते सीमा पर
कोरोना काल में भी आए,
बनकर यह भगवान के दूत,
बस इन्हें देखकर
कलम मेरी चल जाती है।
समाज में फैली समस्याओं का,
अराजकता भरे माहौल में,
गूढ़ रहस्यों से भरी उलझनों को,
बिना डरे सरलता से सुलझाते,
हमें देते हौसला अफजाई,
यह देख कलम मेरी चल जाती है।
बसंती चोला सुनकर,
भगत सिंह का नाम आते ही,
राजगुरु भी याद आ जाते हैं,
इनके देश प्रेम को देखकर,
कलम मेरी चल जाती है।
मर मिटे पर साथ न छोड़ा,
अपने देश के तिरंगे का,
इन वीरों की दीवानगी पर,
देश के प्रति आशिकों पर,
देख मेरी कलम चल जाती है।
सीमा पर जब यह गोली खाते,
तिरंगे में जब यह लिपट कर आते,
तिरंगे के तीन रंग के आगे,
सभी रंग फीके लगते हैं,
बस इन्हीं के सम्मान ,में
मेरी कलम चल जाती है।

डॉ सुशीला जोशी
कोटा, राजस्थान

घर घर में तिरंगा हो

मन में पावन गंगा ,जन गण अभिमान तिरंगा हो
गीता कुरान बाइबिल ,हिंद का गुलदान तिरंगा हो
अब वक्त आ गया है ,दुनिया को बता दें हम
घर घर में तिरंगा हो, हमारी शान तिरंगा हो
सीमा पर खड़े प्रहरी सैल्यूट करें उनको
भारत मां खातिर वीरो का प्राण तिरंगा हो
छिपकर बैठे दुश्मन उन्हें ढूंढ के लाएंगे
चुन-चुन कर भगाएंगे डर का तूफान तिरंगा हो
अंतस की सफाई हो ,पढ़ लिखकर बने काबिल
चक्र तरक्की का ,फरमान तिरंगा हो
अमन चैन चाहत ,हरे लाल में ना बांटो
सलमा बिट्टू मैरी,सब की पहचान तिरंगा हो..

ज्योत्सना सक्सेना
जयपुर

अधिकारों से...

देश ने फिर आवाज़ लगाई है गुंबद-मीनारों से
खेतों से खलिहानों से, गलियों से गलियारों से,
जिन वीरों ने देश पे परवाह करी ना ना अपने प्यारों की,
उन पर प्यार लुटाने का दिन आया है, अधिकारों से....
जिन वीरों ने स्वतंत्रता के लिए गंवाया प्राणों को,
बलिवेदी पर अर्पण की हैं जिन्होंने अपनी जानों को ,
सरहद पर जो कफ़न बांध कर जाते हैं सीना ताने,
उन पर प्यार लुटाने का दिन आया है अधिकारों से...
सुनो सुनो ओ देशवासियों लयचालित पदचापों को,
सुनो सुनो निःस्तब्ध रात्रि-बेधी तुरंग की थापों को,
सुनो सुनो बंदूकों की आवाज़ें तोपों के गोले,
गूंजे नभ और धरती'हर-हर महादेव के नारों से,
उन पर प्यार लुटाने का दिन आया है अधिकारों से...
रावी के तट पर जब हमने मिल तुमको फहराया था,
पूर्ण स्वराज की शपथ उठाई थी और अलख जगाया था,
हर घर देशप्रेम की ज्योति, सरहद पर हथियारों से,
उन पर प्यार लुटाने का दिन आया है अधिकारों से...
अमृत-महोत्सव आज़ादी का और शहीदों की यादें,
गौरव गाथा वीरों की और तिरंगे की बातें,
जिस धरती पर कब्ज़ा था जबरन गैरों का सदियों से,
उन्हें खदेड़ा वीर जवानों ने वारों-तलवारों से,
उन पर प्यार लुटाने का दिन आया है अधिकारों से...

डा. कविता माथुर
जयपुर

लापरवाही: एकादशी मेले में उमड़ी भीड़...

खाटूधाम में मची भगदड़ तीन महिलाओं की मौत

हिलव्यू समाचार

सीकर/जयपुर। सीकर जिले के खाटूश्याम मंदिर में सोमवार को एकादशी के मेले में उमड़े दर्शनार्थियों मी भीड़ में मचने से 3 महिलाओं की मौत हो गई और 4 लोग घायल हो गए। तीन घायल महिलाओं को इलाज के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर किया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हारे के सहारे के भक्तों की संख्या के लिहाज से मंदिर और पुलिस प्रशासन ने माकूल इंतजाम नहीं किए। इसका नतीजा मंदिर के अल सुबह पांच बजे पट खुलते ही भगदड़ के रूप में सामने आया।

इससे पहले भक्त पांच घंटे तक दर्शन के इंतजार में खड़े रहे। सवेरे पांच बजे पट खुला तो जल्द दर्शन करने के प्रयास में भगदड़ मच गई। इस पूरे मामले में प्रथम दृष्टया मंदिर प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए जा रहे हैं। पुलिस की नजरों के आगे लाखों लोग जमा हुए, लेकिन उन्हें नियंत्रित करने के लिए नफरी नहीं लगाई गई। वहीं, दूसरी तरफ मंदिर प्रशासन पर वीआईपी दर्शन करवाने के बहाने पटबंद रखने के आरोप भी लग रहे हैं। इस बीच, एसपी ने थानाधिकारी को निलंबित कर दिया। सरकार ने मामले की जांच डीसी को दे दी है।

मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख, घायलों को 20-20 हजार रुपए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए संवेदना जताई है। वहीं मुख्यमंत्री इस पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए है। संभागीय आयुक्त मंदिर में हुई भगदड़ की जांच करेंगे। भगदड़ में घायल हुए श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए मुख्यमंत्री ने घटना में मृतक श्रद्धालुओं के परिजनों को 5-5 लाख रुपए एवं घायलों को 20-20 हजार रूपए की सहायता राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष से देने का ऐलान किया है।

विधायक ने मंदिर कमेटी पर लगाए आरोप

विधायक वीरेंद्र सिंह चौधरी ने श्याम मंदिर कमेटी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि श्याम मंदिर कमेटी मिस मैनेजमेंट करती है। श्याम मंदिर कमेटी के मैनेजमेंट को लेकर विधानसभा में भी मामला उठाया गया था, लेकिन कार्रवाई हो नहीं पाई। विधायक ने कहा कि खाटूश्याम मंदिर में वीआईपी दर्शनों के नाम पर मिस मैनेजमेंट होता है। जो भी घटना होती है वो मंदिर परिसर में होती है। ऐसे में खाटूश्यामजी थाने की नफरी बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि खाटूधाम मंदिर में चंदे के नाम पर करोड़ों रुपए का चंदा इकट्ठा होता है। वो रुपए कहां है, किसने पूछा, संबधित एजेंसी छापा क्यों नहीं मारती। उन्होंने कहा कि हम विधानसभा में बोलते हैं, लेकिन हमारी बात सुनी नहीं जाती।

खाटू थानाधिकारी रिया चौधरी सस्पेंड

एसपी कुंवर राष्ट्रदीप ने खाटू थाना अधिकारी को सस्पेंड कर दिया। बताया गया है कि एसएचओ रिया चौधरी को ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर निलंबित किया गया। एकादशी पर विशेष मेले में खाटूधाम मंदिर में भीड़ ज्यादा उमड़ने के बाद भी थानाधिकारी ने पुलिस जाब्ता तैनात नहीं किया था। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था के इंतजामों की भी पोल खुल गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार खाटू में मंदिर के आस-पास दो लाख की श्रद्धालु थे फिर भी पुलिस कर्मी कम क्यों लगाए गए। समझ से परे है।

कनकांचल व आदिबद्री क्षेत्र में खनन कार्य बंद

जयपुर। खान एवं गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा है कि कनकांचल और आदिबद्री क्षेत्र में खनन कार्य पूरी तरह से बंद करा दिया गया है। विभाग की ओर से पहले से संचालित 45 वैध खानों और बाद में बहाल एक खान सहित सभी 46 खानों में खनन कार्य बंद है। क्षेत्र में नियमित गश्त की जा रही है। खान मंत्री ने बताया कि इस क्षेत्र के आदिबद्री पर्वत क्षेत्र की तहसील सीकरी के ग्राम कोलरी, ककराला, बुआपुरगढी, नांगल एवं कनकांचल पर्वत क्षेत्र की तहसील पहाड़ी के ग्राम मुंगस्का, समसलका क्षेत्रों में खनिज मैसेनरी स्टोन के कुल 51 खनन पट्टा स्वीकृत किए गए हैं। इसमें से 6 खनन पट्टा पहले ही खण्डित किए जा चुके हैं। वर्तमान में 45 खनन पट्टा प्रभावी हैं, वर्तमान में इनमें खनन कार्य पूर्णतया बन्द है।

वार्ड 85 ने फहराया घर-घर तिरंगा

जयपुर। आजादी की अमृत महोत्सव में घर-घर तिरंगा अभियान के तहत आदर्श नगर विधानसभा के वार्ड नंबर 85 में बूथ अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल जी एवं बूथ अध्यक्ष दीपक जूनीवाल जी के साथ उनके बूथ पर वार्ड अध्यक्ष संजय जी शर्मा , पूर्व पार्षद रामस्वरूप जी, पूर्व वार्ड अध्यक्ष मोतीचंद जूनिवाल जी, ज्ञान प्रकाश जी वर्मा, युवा मोर्चा के पूर्व पदाधिकारी नितेश अग्रवाल जी, एवं अन्य पदाधिकारी व बूथ के निवासियों के घर भारत का तिरंगा ध्वज फहराया। मोनिका अग्रवाल पार्षद प्रत्याशी वार्ड नंबर 85 के साथ मंडल मंत्री अमन अग्रवाल,पूर्व वार्ड अध्यक्ष अनिल गोदिया, दीपक रेठा, दीपक जोगी, शुभम, लोकेश,अर्जुन खींची, मनीष मित्तल,शुभम वर्मा, भय्यू, कार्तिक वर्मा, विजय शर्मा, आशीष जूनिवाल उपस्थित रहे।

लहरिया उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। काव्य साधिका मंच की ओर से श्री माया होटल मालवीय नगर में 7 अगस्त को अध्यक्षा डॉ. रानी तंवर ने कवित्रियों ने लहरिया उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। जिसमें वरिष्ठ कवित्रियों वीना चौहान, डॉ शारदा कृष्ण,विजय लक्ष्मी देथा की गरिमामय उपस्थिति में प्रसिद्ध कवयित्री सपना सोनी और ममता जाट, ज्ञानवती सक्सैना, चंचल चपल, पवनेश्वरी, प्रीति शर्मा, दर्शना उत्सुक, रेखा शर्मा, नीलम सपना, मंजू कपूर, सलोनी क्षितिज का उत्साह, उमंग, उल्लास देखते ही बनता था। कवयित्रियों ने श्रृंगार रस सहित विविध रसों की काव्य धारा से समां बांध दिया। कविता ही नहीं कवित्रियों ने अद्भुत शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत कर आश्चर्य चकित कर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन नीति आहूजा ने किया। इस दौरान कई तरह की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

"हर घर तिरंगा आज़ादी का अमृत महोत्सव" काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

जयपुर। स्वयं सिद्धा साहित्यिक संस्थान जयपुर राजस्थान के तत्वावधान में आयोजित "हर घर तिरंगा आज़ादी का अमृत महोत्सव "राष्ट्रीय स्तर की काव्य गोष्ठी आयोजित हुई जिसमें आ. ओंकार त्रिपाठी जी ने,आदरणीय बृज माहिर जी ने आ.सोहन लाल जी ने,आ. देवेंद्र देवजी निरुपमा जी ने राष्ट्रप्रेम की अविरल काव्य धारा प्रवाहित कर अपनी रचनाओं से पटल को गौरवान्वित किया ।

हम भारतवासी 2022 में 15 अगस्त को अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ बड़े उत्साह के साथ मनाने जा रहे हैं। हर घर तिरंगा अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के तहत भारत की आजादी के 75 साल के गौरवशाली उपलब्धि के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा चलाया गया एक अभियान है। इस गौरवशाली वर्ष को चिह्नित करने के लिए, उत्सव का नाम 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' रखा गया है।इस साल हर घर तिरंगा अभियान के तहत हर घर में झंडा फहराया जायेगा। यह हम भारतवासियों में ध्वज के प्रति सम्मान व देश के प्रति देश भक्ति की भावना बढ़ाने में मदद करेगा।

ओबीसी आरक्षण: पूर्व सैनिकों को कोटे में शामिल करने का मामला

नियमों में बदलाव की मांग को लेकर प्रदेशभर में किया प्रदर्शन

सीएमओ में उच्चाधिकारियों से मिला प्रतिनिधि मंडल, नहीं बनी बात

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में ओबीसी आरक्षण नियमों में बदलाव के बाद इस वर्ग के युवाओं को हो रहे नुकसान के खिलाफ व नियमों में संशोधन की मांग को लेकर सोमवार को प्रदेशभर में लोग सड़कों पर उतरे। ओबीसी के 21 फीसदी आरक्षण में पूर्व सैनिकों का कोटा शामिल करने को लेकर ओबीसी आरक्षण संघर्ष समिति के बैनर तले प्रदेशभर में आंदोलन किया जा रहा है। सोमवार को इसी मांग को लेकर सभी जिला और उपखण्ड मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर सीएम के नाम ज्ञापन दिया गया। बाड़मेर में पूर्व मंत्री हरीश चौधरी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। जयपुर में राजस्थान यूनिवर्सिटी में भी युवा एकत्र हुए और यूनिवर्सिटी परिसर में रैली निकाल विरोध जताया। शाम को सीएम के निर्देश पर 12 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने सीएमओ के उच्चाधिकारियों से वार्ता की, लेकिन समाधान नहीं हुआ। अब संघर्ष समिति ने बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

हरीश चौधरी ने सोमवार को बाड़मेर में सैकड़ों युवाओं के साथ मार्च निकाला और ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ओबीसी अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हो रहा है। बीजेपी नेता कर्नल सोनाराम ने भी उनका समर्थन किया। चौधरी ने गहलोत सरकार से ओबीसी आरक्षण की विसंगतियां दूर करने की मांग की।

प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

नियमों में बदलाव से ओबीसी वर्ग को हो रहे नुकसान को लेकर पूर्व मंत्री हरीश चौधरी ने मोर्चा खोला है। उन्होंने प्रदेशभर में जन जागरण अभियान शुरू किया। इसके बाद सोशल मीडिया के जरिए अभियान चलाया गया। वहीं प्रदेशभर में नियमों में हुए बदलाव और नुकसान के पोस्टर वितरित किए गए। साथ ही वरिष्ठ मंत्री, विधायक और नेताओं ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर नियमों में बदलाव की मांग की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकलने पर सोमवार को प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन किया गया। अब पुनः जन जागरण अभियान चलाकर जयपुर में बड़ा प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

वर्ष 2018 के आदेश में संशोधन की मांग

ओबीसी आरक्षण संघर्ष समिति द्वारा यह विरोध प्रदर्शन कार्मिक विभाग द्वारा 17 अप्रैल, 2018 को आरक्षण के नियमों में संशोधन के आदेश के खिलाफ किया जा रहा है। राजस्थान यूनिवर्सिटी में विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्व आरएएस अधिकारी जस्सा राम चौधरी, पूर्व आरपीएस महेंद्र चौधरी और डॉ. रामसिंह सामोता ने बताया कि 2018 में ओबीसी सहित अन्य कैटेगरी के आरक्षण में पूर्व सैनिकों के आरक्षण कोटे को खत्म कर मूल भर्ती के कुल पदों में से पूर्व सैनिकों का 12.5% कोटा तय किया गया है। इससे कुल पदों में ओबीसी की आबादी ज्यादा होने से पूर्व सैनिकों में सबसे ज्यादा ओबीसी के पूर्व सैनिकों का चयन होता है। इससे ओबीसी के 21% आरक्षण कोटे के अधिकांश पदों पर पूर्व सैनिकों का चयन हो जाता है और युवाओं को मौका नहीं मिल पाता।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

जयपुर
रविवार, 14 अगस्त, 2022

एक नज़र

विमान में धूम्रपान करते हुए वीडियो, जांच के आदेश

नई दिल्ली। उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्पाइसजेट की उड़ान में 'बॉडी बिल्डर' बॉबी कटारिया का धूम्रपान करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद गुरुवार को इस घटना की जांच के आदेश दिए। वीडियो में कटारिया को स्पाइसजेट के विमान में सिगरेट जलाते हुए और धूम्रपान करते हुए देखा जा सकता है। कटारिया के इंस्टाग्राम पर 6.3 लाख 'फॉलोअर्स' हैं। यात्रियों को विमान में लाइटर ले जाने और धूम्रपान करने की अनुमति नहीं है। सूत्रों के मुताबिक धूम्रपान की घटना स्पाइसजेट के एसजी706 विमान में हुई जो दुबई से दिल्ली आ रहा था। स्पाइसजेट ने कहा कि यह घटना दुबई-दिल्ली उड़ान में 20 जनवरी को हुई थी, जब यात्री विमान में सवार हो रहे थे और चालक दल के सदस्य विमान में यात्रियों के सवार होने की प्रक्रिया को पूरा करने में व्यस्त थे।

कांग्रेस का 28 को दिल्ली में महंगाई पर हल्ला बोल रैली

एजेंसी ।

नई दिल्ली। कांग्रेस महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने के मकसद से आगामी 28 अगस्त को दिल्ली के रामलीला मैदान में महंगाई पर हल्ला बोल रैली का आयोजन करेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश के अनुसार,इस रैली से पहले 17 अगस्त से 23 अगस्त के बीच देश के सभी विधानसभा क्षेत्रों की मंडियों, खुदरा बाजारों और अन्य कई स्थानों पर महंगाई चौपालआयोजित की जाएगी।

रमेश ने एक बयान में कहा, कांग्रेस ने गत पांच अगस्त को मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन किया जिसके साथ लोगों ने खुद को जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हताशा में आकर इसे काला जादू बताने का प्रयास किया जो इस बात को दर्शाता है कि भाजपा सरकार आसमान छूती महंगाई और बेरोजगारी पर अंकुश लगाने में नाकाम रही है। कांग्रेस महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ अपनी लड़ाई को आने वाले हफ्तों में और तेज करेगी। उन्होंने कहा, महंगाई चौपाल के समापन 28 अगस्त को रामलीला मैदान में महंगाई पर हल्ला बोल रैली के साथ होगा। रैली को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि रामलीला मैदान की रैली को पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी संबोधित करेंगे। इस रैली से इतर प्रदेश कांग्रेस कमेटियां राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर "महंगाई पर हल्ला बोल - चलो दिल्ली " कार्यक्रम का आयोजन करेंगी।

उन्होंने दावा किया, भारत के लोग मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन का खामियाजा भुगत रहे हैं। दही, छाछ, पैक की गई खाद्य वस्तुएं जैसे आवश्यक सामानों पर अत्यधिक करों के कारण महंगाई बढ़ रही है, जबकि सार्वजनिक सम्पतियों को मित्र पूंजीपतियों को हस्तांतरित करने और सेना में भर्ती की दिशाहीन अग्निपथ योजना जैसे कदमों से रोजगार की स्थिति बद से बदतर हो रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस इन जनविरोधी नीतियों पर लोगों में जागरूकता फैलाती रहेगी और भाजपा सरकार पर गलत नीतियों को बदलने के लिए दबाव बढ़ाएगी।

'किसान पुत्र' धनखड़ ने ली उपराष्ट्रपति की शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ (71) ने गुरुवार को भारत उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही धनखड़ देश के 14वें उपराष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने हिंदी में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रदेश के राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी शामिल हुए। उन्होंने उप राष्ट्रपति को शुभकामनाएं दी। शपथ ग्रहण करने से पहले धनखड़ ने सुबह राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर धनखड़ को बधाई दी और उनके सफल और उपयोगी कार्यकाल की कामना की।

2008 में बीजेपी में हुए थे शामिल

राजनीतिक क्षितिज में पिछले कुछ वर्षों के दौरान जगदीप धनखड़ के उदय ने बहुत सारे लोगों को आश्चर्य में डाला है। कभी राजनीति में आने को लेकर अनिच्छुक रहे धनखड़ पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में चर्चा में आए जब अक्सर उनके और वहां की राज्य सरकार के बीच टकराव की खबरें सुर्खियां बनती थीं। कई बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के निशाने पर आए। कभी जनता दल के साथ रहे धनखड़ 2008 में भाजपा में शामिल हुए थे। वे अधिवक्ता के तौर पर काम कर चुके हैं।

वकील से उपराष्ट्रपति पद तक का सफर

राजस्थान में झुंझुनूं जिले के एक सुदूर गांव में किसान परिवार में जन्मे जगदीप धनखड़ ने स्कूली शिक्षा सैनिक स्कूल, चित्तौड़गढ़ से पूरी की। भौतिकी में स्नातक के बाद उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से एलएलबी की उपाधि ली। धनखड़ ने राजस्थान उच्च न्यायालय और देश के उच्चतम न्यायालय, दोनों में वकालत की। लोकसभा चुनाव 1989 में झुंझुनूं से सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने 1990 में संसदीय मामलों के राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। 1993 में वह अजमेर जिले के किशनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से राजस्थान विधानसभा पहुंचे। अपने समय के अधिकांश जाट नेताओं की तरह धनखड़ भी देवीलाल से जुड़े हुए थे। तब युवा वकील रहे धनखड़ का राजनीतिक सफर तब आगे बढ़ना शुरू हुआ, जब देवीलाल ने उन्हें 1989 में कांग्रेस का गढ़ रहे झुंझुनूं संसदीय क्षेत्र से विपक्षी उम्मीदवार के रूप में मैदान में उन्हें उतारा था और धनखड़ ने जीत दर्ज की। धनखड़ 1990 में वीपी सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में केंद्रीय मंत्री बने। जब पी.वी. नरसिंह राव पीएम बने तो वह कांग्रेस में शामिल हो गए। राजस्थान की राजनीति में अशोक गहलोत का प्रभाव बढ़ने पर धनखड़ भाजपा में शामिल हो गए और कहा जाता है कि वह जल्द वसुंधरा राजे के करीबी बन गए।

शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा...

अब 2024 के लोकसभा चुनाव की चिंता करे बीजेपी: नीतीश

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शपथ ग्रहण करने के बाद बुधवार को कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को 2024 के लोकसभा चुनाव के बारे में चिंता करनी चाहिए। नीतीश ने बुधवार को आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ राजद के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने भी शपथ ली, जो नई सरकार में उपमुख्यमंत्री होंगे। शपथ के बाद नीतीश ने पत्रकारों से बातचीत में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी तरफ से जदयू को हराने की कोशिश हुई। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अगले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे तो उन्होंने कहा कि मेरी कोई दावेदारी नहीं है। क्या वह देश में अब विपक्ष की राजनीति को मजबूत करेंगे पर नीतीश ने कहा कि पूरे तौर पर करेंगे। कुछ लोगों को लगता है कि विपक्ष खत्म हो जाएगा तो हमलोग भी अब आ ही गए हैं विपक्ष में।

वहीं भाजपा के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद की एक पुरानी टिप्पणी को लेकर बुधवार को उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'सांप आपके घर में घुस गया है।' दरअसल, नीतीश कुमार ने 2017 में जब महागठबंधन से अलग होकर फिर से भाजपा से हाथ मिलाया था तो लालू प्रसाद ने ट्वीट कर कहा था, 'नीतीश सांप है जैसे सांप केंचुल छोड़ता है वैसे ही नीतीश भी केंचुल छोड़ता है और हर 2 साल में सांप की तरह नया चमड़ा धारण कर लेता है। किसी को शक?' उनके इसी ट्वीट का स्क्रीन शॉट साझा करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, 'सांप आपके घर घुस गया है।'भाजपा नेता ने कहा कि नीतीश खुद को प्रधानमंत्री पद के उपयुक्त मानते हैं।

नीतीश के 'विश्वासघात' के खिलाफ प्रदर्शन

भाजपा ने राजग से नाता तोड़कर महागठबंधन में शामिल होने वाले जनता दल (यूनाईटेड) के सुप्रीमो और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ बुधवार को यहां स्थित प्रदेश कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 'ईर्ष्या' के चलते बिहार से 'विश्वासघात' करने का आरोप लगाया। बीरचंद पटेल मार्ग स्थित प्रदेश कार्यालय पर आयोजित इस 'महाधरना' में बिहार के लगभग सभी भाजपा सांसदों और विधायकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पार्टी नेताओं ने नीतीश के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

पीएमओ कर्मियों की बेटियों ने पीएम को बांधी राखी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को रक्षा बंधन के अवसर पर प्रधानमंत्री कार्यालय में काम करने वाले सफाई कर्मियों, सहायकों और अन्य कर्मचारियों की बेटियों से राखी बंधवाई। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में इस कार्यक्रम से जुड़ी कुछ तस्वीरें साझा की और कहा,''इन युवाओं के साथ बहुत विशेष रक्षा बंधन। प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने आवास पर इन लड़कियों से राखी बंधवाई। उनके मुताबिक प्रधानमंत्री को राखी बांधने वालों में सफाईकर्मी, सहायक, माली और वाहन चालकों की बेटियां शामिल थीं। अधिकारियों ने एक वीडियो भी साझा किया जिसमें प्रधानमंत्री सफाईकर्मी, सहायक, माली और वाहन चालकों की बेटियों से राखी बंधवाते नजर आ रहे हैं। सावन माह की पूर्णिमा को देश भर में रक्षा बंधन का त्योहार भाई और बहन के बीच प्रेम के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है।पीएमओ के अधिकारियों ने बताया कि रक्षा बंधन समारोह के बाद पीएम ने सभी लड़कियों को एक-एक तिरंगा दिया और ऐसा करके उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान में भागीदारी की।

कार्यकाल पूरा करने से पहले गिर जाएगी नई सरकार: सुशील मोदी

एजेंसी | पटना

भाजपा के नेता सुशील कुमार मोदी ने बुधवार को कहा कि बिहार की नई सरकार 2025 में अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले ही गिर जाएगी।

मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा से नाता तोड़ने और राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन का नेता चुने जाने के एक दिन बाद यह बात कही। मोदी ने यह भी कहा कि जदयू प्रमुख नीतीश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजग को वोट देने वाली बिहार की जनता का अपमान किया है। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि कुमार लालू प्रसाद यादव की खराब तबीयत का फायदा उठाकर राजद को धोखा देंगे। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के जरिये 'षड़यंत्र' रचे जाने के जदयू के आरोपों को खारिज कर दिया और दावा किया गृह मंत्री अमित शाह ने नीतीश से मंजूरी लेने के बाद सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया था। भाजपा नेता ने कहा कि हम यह देखना चाहते हैं कि असली मुख्यमंत्री (राजद नेता) तेजस्वी के नेतृत्व में बिहार की नई सरकार किस तरह काम करती है। यह अगले चुनाव से पहले गिर जाएगी।

सपा प्रमुख ने बधाई दी

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश एवं उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को पद और गोपनीयता की शपथ लेने के बाद बधाई दी हैं। यादव ने ट्वीट कर कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश एवं उपमुख्यमंत्री के रूप में तेजस्वी यादव को शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। नीतीश ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

यमुना नदी में डूबी नाव, चार लोगों की मौत

एजेंसी

बांदा (उप्र)। बांदा जिले के मरका क्षेत्र से फतेहपुर जिले के जरौली घाट जा रही एक नौका गुरुवार को यमुना नदी में डूब गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि कम से कम 17 अन्य लापता हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे को लेकर जिला प्रशासन को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव और राहत कार्य करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि बांदा जिले के मरका थाना क्षेत्र के यमुना घाट से दोपहर को करीब 30-35 लोगों से भरी एक नौका फतेहपुर जिले के जरौली घाट जा रही, तभी बीच जलधारा में तेज हवा का झोंका आने से नौका डगमगा कर पलट गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अब तक चार लोगों के शव नदी से निकाले जा चुके हैं, जिनकी शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि करीब आठ लोग तैरकर बाहर आ गये जबकि कम से कम 17 अन्य लापता हैं।

अधिकारी ने बताया कि गोताखोरों की मदद से लापता लोगों की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया जिले के सभी अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और बचाव कार्य जारी है।

इस बीच, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने जिला प्रशासन को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव और राहत कार्य करने के निर्देश दिए हैं।राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

नया संसद भवन

संसद का शीतकालीन सत्र हो सकता है सेंट्रल विस्टा के नए भवन में

नई दिल्ली। संसद भवन मिर्जापुर के बुनकरों द्वारा हाथ से बुने गए खूबसूरत कालीन, मध्य प्रदेश तथा राजस्थान से मंगाए गए पत्थरों और महाराष्ट्र के सागवान की लकड़ी से बने फर्नीचर से सुसज्जित होगा। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना का काम पूरे जोर शोर से चल रहा है ताकि नवंबर, 2022 में संसद के शीतकालीन सत्र का आयोजन नई इमारत में हो सके। भवन की आंतरिक साज-सज्जा का काम तेजी से हो रहा है। साथ ही फर्श भी तैयार किया जा रहा है। सरकार ने पिछले सप्ताह लोकसभा में कहा था कि संसद की नई इमारत का काम 70 फीसदी पूरा हो गया है और इसका निर्माण कार्य नवंबर, 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

पीएम ने दिसंबर 20 में रखी थी नींवः प्रधानमंत्री मोदी ने दिसंबर 2020 में संसद की नई इमारत की नींव रखी थी। उन्होंने पिछले महीने संसद भवन की छत पर बनाए गए अशोक स्तंभ का अनावरण किया था।

नए भवन में देश की लोकतांत्रिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक भव्य संविधान कक्ष, संसद सदस्यों के लिए एक विश्राम कक्ष, एक पुस्तकालय, कई समिति कक्ष, भोजन क्षेत्र और पर्याप्त पार्किंग स्थान की व्यवस्था होगी। इमारत का निर्माण टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना में एक नए त्रिकोणीय संसद भवन, एक सामान्य केंद्रीय सचिवालय, विजय चौक से इंडिया गेट तक तीन किमी लंबे राजपथ का सुधार, प्रधानमंत्री के एक नए आवास और एक प्रधानमंत्री कार्यालय तथा एक नए उपराष्ट्रपति आवास की परिकल्पना की गई है।

नए संसद भवन का 70% काम पूरा

नए संसद भवन के निर्माण का 70 फीसदी काम पूरा हो गया है। शहरी काम एवं आवास राज्य मंत्री कौशल किशोर ने बताया कि सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का पुनर्विकास कार्य लगभग पूरा हो चुका है। साझा केंद्रीय सचिवालय भवन 1,2,3 का 17 प्रतिशत कार्य हुआ है और इसे दिसंबर 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। र उपराष्ट्रपति एनक्लेव का 24 प्रतिशत काम पूरा हुआ है और इसे जनवरी 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए सेंट्रल विस्टा परियोजना के निर्माण पर होने वाली अनुमानित लागत 2,285 करोड़ रुपए है।

समय-सीमा बढ़ाने की कोई योजना नहीं

सूत्रों ने बताया कि इस परियोजना के राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए निर्धारित समय-सीमा बढ़ाने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'हम शीतकालीन सत्र का आयोजन नए संसद भवन में सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।'उन्होंने संकेत दिया कि संसद भवन की नई इमारत के कुछ हिस्सों को 26 नवंबर को संविधान दिवस के आसपास खोला जा सकता है। हालांकि, अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

जयपुर
रविवार, 14 अगस्त, 2022

जेडीए क्यों कर रहा है मनमानी

गोपालपुरा बाईपास पर एक साथ चल रहे हैं शिक्षण संस्थान व शराब के ठेके ?
क्या देश की भावी पीढ़ी यानी विद्यार्थियों को चुनना है इनमें से एक विकल्प?

आख़िर क्यों?

कोचिंग संस्थानों के आसपास शराब की दुकानें, जाम होता ट्रेफ़िक और बढ़ रही आपराधिक गतिविधियाँ क्या जेडीए को नज़र नहीं आ रही बिल्डिंग्स व कोचिंग बायलॉज के हिसाब से सबको नोटिस की बजाय कमर्शियल पट्टे बाँटने की तैयारी कर रहा है जेडीए?

d

कहाँ हैं बिल्डिंग्स व कोचिंग बायलॉज

फायर के पुख़्ता इंतज़ाम, पार्किंग की व्यवस्था, आने-जाने के अलग-अलग द्वार, बिल्डिंग बायलॉज अनुसार सेटबैक, स्टूडेंट की सीट सीमा

गोपालपुरा बाइपास पर जाम।

एलन कोचिंग सेंटर।

एक इमारत में कई कोचिंग सेंटर।

किताबों के पास शराब की दुकान।

ट्रेफिक जाम।

पार्किंग से सड़क जाम।

d

अवैध पार्किंग।

आधी सड़क घेरती पार्किंग।

कोचिंग के पास वाईन शॉप

सड़क जाम।

पार्किंग मुख्य सड़क पर।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)